हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 16 फरवरी, 2025

11 नशे जैसी बीमारियों से नौजवानों को बचाना जरूरी...

12 सुरेन्द्र मित्तल जाखल नपा चेयरमैन पद के लिए प्रत्याशी घोषित

खबर संक्षेप

पतंग के मांझे से छात्र घायल

भूना। पतंग के मांझे से एक छात्र घायल हो गया। उसके गले व पांव की उंगली मांझे की चपेट में आने से जख्मी हो गई। लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया जहां से उपचार करने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर बाद छात्र सोनू कड़वासरा फतेहाबाद रोड पर अपने घर से अनाज मंडी में मोटरसाइकिल पर जा रहा था। इसी दौरान उसकी गर्दन में चाइनीज मांझा जाने के कारण वह गिर गया था। अगर मोटरसाइकिल की स्पीड अधिक होती तो बड़ी अनहोनी हो जाती।

डोडा पोस्त सहित युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। आस्था मोदी के दिशा-निर्देशानुसार चलाए जा रहे नशामुक्त अभियान के तहत टोहाना पुलिस ने एक युवक को नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान नीरज सैनी पुत्र रामभगत निवासी नजदीक काली माता मंदिर, वार्ड नं. 19, टोहाना के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी एसआई देवीलाल ने बताया कि पुलिस की टीम पीएसआई रजत के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी तो उन्हें सूचना मिली कि नीरज नामक युवक अपने मकान में नशा बेचने का काम करता है।

1.79 लाख की धोखाधड़ी के दो आरोपी दबोचे

सिरसा। साइबर थाना पुलिस ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते साइबर धोखाधड़ी के मामले में दो युवकों को राजस्थान के जोधपुर व सूरतगढ़ क्षेत्र से काबू कर किया है। साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान तरुण पुत्र श्रवण सिंह निवासी वार्ड नंबर 17 आरसीपी कॉलोनी सूरतगढ़ राजस्थान व प्रदीप कुमार पुत्र फरसा राम निवासी श्रीसुरपुरा जिला जोधपुर राजस्थान के रुप में हुई है।

ब्यूटी पार्लर प्रबंधन पर हुई कार्यशाला

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय में सौंदर्य देखभाल और ब्यूटी पार्लर प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. हरविंद्र सिंह ने बताया कि कार्यकारी प्राचार्य प्रो. हरजिंद्र सिंह के संरक्षण व महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत के संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता कॉलेज कौंसिल सदस्य डॉ. प्रीती मोंगा ने की। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में शीला ब्यूटी पार्लर, सिरसा की संचालिका ज्योति रानी ने मुख्य सौंदर्य प्रशिक्षिका के तौर पर शिरकत की।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में मीनल रही अव्वल

सिरसा। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को अंग्रेजी विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के लेखन कौशल को बढ़ाना व विचारों की अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या डॉ. रंजना ग्रोवर ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों को अपनी योग्यता और कौशल को साबित करने का अवसर मिलता है। ये प्रतियोगिताएं हमें हमारे जीवन का लक्ष्य साधने में मदद करती है इसलिए हमें कभी भी प्रतियोगिताओं से पीछे नहीं हटना चाहिए और जीतने के प्रयास करते रहना चाहिए। अंगेजी विभाग की अध्यक्ष अंशु उप्पल के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में एमए (अंतिम वर्ष) की मीनल ने प्रथम स्थान, बीए (प्रथम वर्ष) के ध्रुव ने द्वितीय स्थान और एमए (अंतिम वर्ष) की हर्षबाला ने तृतीय रही।

नीले घोड़े पर विराजे श्याम बाबा, शहर में निकाली गई भव्य ध्वजा यात्रा

- जगह-जगह यात्रा का हुआ जोरदार स्वागत, 26 फरवरी को रवाना होगा पैदल जत्था

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। श्री श्याम ध्वजा यात्रा में 56 भोग के साथ अगुवाई करती महिला मंडल सदस्य, श्री श्याम ध्वजा यात्रा में झांकियां प्रस्तुत करते कलाकार व श्री श्याम ध्वजा यात्रा में भाग लेते श्रद्धालु। *फोटो: हरिभूमि*

श्याम बाबा के फाल्गुन महोत्सव के वार्षिक मेले के उपलक्ष्य में माघ पूर्णिमा पर शनिवार को फतेहाबाद में श्री श्याम प्रचार समिति द्वारा भव्य ध्वजा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा मेन बाजार स्थित श्री श्याम मंदिर से चलकर शहर के विभिन्न बाजारों से होते हुए वापस श्याम मंदिर पहुंची। इस यात्रा में सैंकड़ों श्रद्धालु हाथों में ध्वजा लेकर बाबा का गुणगान कर रहे थे। इस शोभा यात्रा को लेकर श्याम भक्तों में जबरदस्त उत्साह नजर आया। आज फतेहाबाद में खाटू धाम जैसा भव्य नजारा देखने को मिला। शोभा यात्रा को लेकर पूरे शहर को रंग-बिरंगी लाइटों और स्वागत द्वारों से सजाया गया था। शोभा यात्रा के दौरान श्याम भक्त भजनों पर जमकर झूमते नजर आए। नीले घोड़े के रथ पर सवार श्याम बाबा यात्रा के आगे-आगे चल रहे थे। इससे पूर्व महिला मंडल की सदस्य 56 भोग का प्रसाद लेकर यात्रा की अगुवाई कर रही थी। शनिवार सुबह सवा 11 बजे भव्य ध्वजा यात्रा श्याम मंदिर से शुरू हुई। यहां से विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियों से सुसज्जित गाडिय़ां चल रही थी। इन झांकियों के आगे हाथों में ध्वजा लिए श्यामभक्त चल रहे थे। यह यात्रा जवाहर चौक, थाना रोड, फव्वारा चौक होते हुए लाल बत्ती चौक पहुंची। यहां से जीटी रोड, भट्टू रोड, नेशनल हाइवे होते हुए वापस श्री श्याम मंदिर पहुंची। इस दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने यात्रा का पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया और प्रसाद वितरित किया। बता दें कि फाल्गुन मास में श्री श्याम बाबा का होली महोत्सव खाटू श्याम में धूमधाम से मनाया जाता है। इस महोत्सव में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। फतेहाबाद से इसी मेले में भाग लेने के लिए 26 फरवरी को श्री श्याम भक्तों का पैदल जत्था रवाना होगा। यह जत्था 301 किलोमीटर की पैदल यात्रा करके फाल्गुन मेले में बाबा को ध्वजा अर्पित करेंगे। फतेहाबाद से यह यात्रा 26 फरवरी को शुरू होगी। श्याम भक्त पैदल 8 मार्च को खाटू धाम पहुंचेंगे जहां 8 मार्च से 11 मार्च तक विशाल भण्डारा लगाया जाएगा। इससे पूर्व शनिवार को श्याम मंदिर के पुजारी सोनू शर्मा व सूरज शर्मा ने विधि विधान से पूजा अर्चना करवाकर इस शोभा यात्रा को रवाना किया। इस दौरान मंदिर को फूलों से विशेष रूप से सजाया गया था। श्री श्याम बाबा की सवारी नीले घोड़े को विशेष रूप से मंगवाया गया था। इस पर सवार होकर श्याम बाबा की रथयात्रा निकली। श्रद्धालु गुलाल से होली खेलते हुए और श्याम भजनों पर झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे।

ये रहे मौजूद

इस यात्रा में अनिल सरदाना, अजय गर्ग, डॉ. पवन हंसपाल, पप्पू गर्ग, राजेश जैन, राजपाल मदान, राजकुमार सरदाना, बंटी निझारा, मास्टर राजेन्द्र फैन्सी, मोहन लाल जैन, वैद्य रामेश्वर दास से अनिल गर्ग सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

दुकानदार कालू, मोनू परवाना, किशोरी लाल नारंग, अनिल पर केस दर्ज

हाथापाई विरोध में नप कर्मियों ने ठप रखा कामकाज, नहीं उठा कचरा

सभी 207 कर्मचारियों ने छोड़ा काम

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। नगरपरिषद कार्यालय में धरने पर बैठे कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

पुरानी सब्जी मण्डी स्थित डिस्पोजल दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर नगरपरिषद कर्मचारी धरने पर बैठ गए हैं। नगरपालिका कर्मचारी संघ के बैनर तले शनिवार को नगरपरिषद के कर्मचारियों ने वर्क सस्पेंड कर धरना दिया और जमकर नारेबाजी करते हुए आरोपी दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शनिवार को नगरपरिषद के 127 पक्के कर्मचारी, 80 कच्चे कर्मचारियों ने कामकाज ठप्प रखा। इस दौरान डोर टू डोर कचरा उठाने वाली 24 गाडिय़ां भी घरों में नहीं पहुंची, जिसके चलते लोगों को काफी परेशानी हुई। लोग कचरा उठाकर इधर-उधर फैंकते नजर आए। नगरपालिका कर्मचारी संघ ने नगरपरिषद के ईओ को शिकायत भी सौंपी, जिसके बाद ईओ द्वारा आरोपी दुकानदारों पर कानूनी कार्रवाई को लेकर बस स्टैण्ड चौकी इंचार्ज को लिखित शिकायत दी है। इसके बाद शनिवार को शहर फतेहाबाद पुलिस ने नवीन भाटिया की शिकायत कालू, मोनू परवाना, किशोरी लाल नारंग, अनिल मार्किट आदि के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। शनिवार को कर्मचारीह आंदोलन की अध्यक्षता संघ के इकाई प्रधान विजय ढाका ने की व संचालन वित्त सचिव वीरू रत्ति ने किया। धरने में राज्य वरिष्ठ उप प्रधान रमेश तुषामड, जिला प्रधान सत्यवान चौहान, इकाई वरिष्ठ उप प्रधान सत्यवान टांक, उप प्रधान नरेश राणा, अमित गिल, उप प्रधान पंकज कुमार, राजा राम, किरण, गुरदयाल भट्टी, धीरज, पवन चिंडालिया, सीटू नेता बेगराज सहित काफी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

कालू डिस्पोजल स्टोर पर हुआ था हंगामा

ईओ को दी शिकायत में नगरपालिका कर्मचारी संघ ने कहा है कि 14 फरवरी को सिंगल यूज प्लास्टिक के चालान व अतिक्रमण हटाने के लिए नगरपरिषद की टीम पुरानी सब्जी मण्डी में गई थी। टीम जब कालू डिस्पोजल स्टोर पर पहुंची तो वहां सिंगल यूज प्लास्टिक की काफी मात्रा पाई गई। जब टीम सिंगल यूज प्लास्टिक का चालान करने लगी तो दुकानदार ने टीम के साथ गाली-गलौच शुरू कर दिया और टीम के साथ हाथापाई करते हुए सरकारी ड्यूटी में बाधा पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आसपास के दुकानदार भी वहां इकट्ठा हो गए और टीम पर दबाव बनाकर टीम के साथ हाथापाई की। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि जब भी कर्मचारी अतिक्रमण हटाने व सिंगल यूज प्लास्टिक का चालान की कार्रवाई के लिए जाते हैं तो उन पर राजनीतिक दबाव बनाया जाता है और कर्मचारी व उनके इंचार्जों के तबादले करवा दिए जाते हैं। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि जब कर्मचारी धरने पर बैठे थे तो पूर्व पार्षद किशोरी लाल नारंग द्वारा गुण्डे भेजकर उन पर हमला किया गया। संघ ने ईओ से आरोपी दुकानदारों के अलावा पूर्व पार्षद के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

नप कर्मचारियों को दी थी फेसबुक पर धमकी

इस मामले में नगरपरिषद के कार्यकारी अधिकारी द्वारा बस स्टैण्ड चौकी में लिखित शिकायत देकर पुरानी सब्जी मण्डी स्थित कालू डिस्पोजल स्टोर के मालिक व मामले में संलिप्त अन्य दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई के लिए लिखा है। ईओ ने कर्मचारियों के साथ पुरानी सब्जी मण्डी में हुई हाथापाई बारे विस्तार से लिखा और कहा कि कर्मचारी जब वापस नगरपरिषद कार्यालय में पहुंचे तो इसी दौरान मोनू परवाना, किशोरी लाल नारंग, अनिल व अन्य लोगों ने नगरपरिषद कार्यालय में घुसकर कर्मचारियों पर हमला करने की कोशिश की। महिला कर्मचारियों ने बीच में आकर इन लोगों को हाथापाई करने से रोका। ईओ ने कहा कि मोनू परवाना ने 28 जनवरी को अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किया था कि उसकी बस अड्डा चौकी के सामने दुकान है। दम है तो उसके बोर्ड और बैंच को कोई हाथ लगाकर दिखाए।

महिला कॉलेज में झंकार फेस्ट, हरियाणवी, पंजाबी राजस्थानी और हिमाचली संस्कृति के रंग बिखेरे

रतिया। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय का वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम झंकार फेस्ट का आयोजन किया गया। प्राचार्य परमजीत संधा की अध्यक्षता आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहीद दविन्द्र सिंह की पत्नी जसविन्द्र कौर रही। विशिष्ट अतिथि बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दविन्द्र ग्रोवर रहे?। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती को पुष्प अर्पित करके किया गया। शहीद दविन्द्र सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी गई। यह कार्यक्रम प्रो. रीतु संयोजक, प्रो सुरेन्द्र शर्मा के संयोजन मे किया गया।कार्यक्रम में छात्राओं ने पंजाबी, हरियाणवी, राजस्थानी लोकगीतों में देशभक्ति पर आधारित गीत, नृत्य पारम्परिक, वेस्टर्न, शास्त्रीय, हिप-हॉप विधाओं की प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल की भूमिका प्रो. सर्बजीत, गुरमेल सिंह इंदाछोई, रचना और आशा जाखन दादी ने निभाई। प्राचार्य ने सांस्कृतिक महत्व बताते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ साथ महाविद्यालय में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़-चढक़र भाग ले और अपनी प्रतिभा को सबके सामने प्रस्तुत करें। शहीद दविन्द्र सिंह यादगारी ट्रस्ट, रतिया के सचिव मास्टर कृष्ण पेंटर ने छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

नीलगाय को मारने की अनुमति देने के निर्णय का विरोध जताया

डबवाली। अग्रवाल सभा ने हरियाणा कैबिनेट द्वारा नर नीलगाय के मारने की अनुमति देने के निर्णय का विरोध किया है। सभा के प्रधान नसीब गार्गी ने शनिवार को जारी प्रैस बयान में कहा कि सरकार ने वन्य जीव (संरक्षण) नियम 1974 को निरस्त कर नया वन्य जीव (संरक्षण) नियम 2024 अधिसूचित किया है जिसके तहत नर नीलगाय के अधिकृत तौर पर मारने की अनुमति देने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है। यह निर्णय किसी भी प्रकार जायज नही है। उन्होंने कहा कि जीव हत्या करना उचित नही है क्योंकि सभी जीवों को इस धरती पर जीने का हक है। सरकार के निर्णय से सभी लोगों की भावनाएं बुरी तरह आहत हुई हैं। मीडिया प्रभारी सुरेश मित्तल ने बताया कि अग्रवाल सभा की ओर से सरकार से मांग की गई है कि नीलगाय को मारने की अनुमति देने के निर्णय को तुरंत वापिस लिया जाए व नई अधिसूचना को तुरंत रद्द किया जाए।

यूथ फेस्टिवल में विजेता रही टीम से कुलपति ने की मुलाकात, किया प्रेरित

- युवा हमारी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। यूथ फेस्टिवल में सेकेंड रनर-अप का खिताब हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति। *फोटो: हरिभूमि*

चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने हाल ही में हिसार में आयोजित 38वें ए.आई.यू. इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ-वेस्ट जोन यूथ फेस्टिवल के विजेता टीम से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़ चढक़र भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उलेखनीय है की चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 38वें ए.आई.यू. इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ-वेस्ट जोन यूथ फेस्टिवल में ओवरऑल सेकेंड रनर-अप का खिताब हासिल किया। इसी प्रकार, फाइन आर्ट्स इवेंट्स तथा डांस इवेंट्स में सी.डी.एल.यू. की टीम फस्ट रनर-अप रही थी। कुलपति ने कहा कि युवा हमारी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उनकी रचनात्मकता, ऊर्जा और संकल्प ही देश के उज्जवल भविष्य का आधार है। ऐसे महोत्सव न केवल सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को भी निखारते हैं।

लॉ कॉलेज के रिकॉर्ड की जांच की मांग

- डीन ऑफ कॉलेजिज को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। जांच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपते छात्र। *फोटो: हरिभूमि*

चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय से संबंधित लाला हंसराज फुटेला कॉलेज ऑफ लॉ सिरसा द्वारा एलएलबी तृतीय वर्ष की लंबे समय से कक्षाएं न लगाने वाले विद्यार्थियों की गलत तरीके से अटेंडेंस पूर्ण करने, नियमित कक्षाओं का संचालन न करने, विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमों का उल्लघंन करने वाले महाविद्यालय की जांच को लेकर विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजिज असीम मिगलानी को एक मांग पत्र सौंपा। पत्र की कॉपी लॉ विभाग के हैड, बार काऊंसिल ऑफ इंडिया व शिक्षा मंत्री को भी प्रेषित की गई है। छात्र जनित कुमार ने बताया कि वह लाला हंसराज फुटेला कॉलेज ऑफ लॉ सिरसा में तीन वर्षीय कोर्स में 6वें सेमेस्टर का विद्यार्थी है। उसने बताया कि कॉलेज में गैर कानूनी तरीकों से दाखिले किए जाते हैं और दाखिलों के बाद विद्यार्थियों की अनुपस्थिति के बाद भी अटेंडेंस पूरी की जाती है, जिसके बदले विद्यार्थियों से नजराना लिया जाता है, जोकि विश्वविद्यालय के नियमों और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमों का उल्लघंन है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति का होना अनिवार्य किया गया है। जनित कुमार ने बताया कि 3 वर्षीय कोर्स एलएलबी में जिन विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है, वह बच्चे कॉलेज में फीस भर कर एग्जाम रोल नंबर लेने व जिस दिन हमारी प्रेक्टिकल होती है, उसी दिन ही उपस्थित होते हैं।

फतेहाबाद स्वर्णकार सभा का चुनाव आज

कृष्ण मौसूण व संदीप सोनी में कांटे की टक्कर

- 70 प्रतिशत मतदान की संभावना, दोनों उम्मीदवारों ने ताकत झोंकी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

कृष्ण मौसूण व संदीप कुमार।

स्वर्णकार सभा फतेहाबाद के बहुप्रतीक्षित प्रधान पद के चुनाव के लिए आज रविवार को वोट डाले जाएंगे। धर्मशाला रोड स्थित स्वर्णकार सेवा सदन में मतदान को लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। इस चुनाव पर स्वर्णकार समाज के साथ पूरे शहर की निगाहें भी लगी हैं। चुनाव कमेटी ने पिछले दिनों उपायुक्त मनदीप कौर व तहसीलदार से मिलकर प्रशासन की देखरेख में चुनाव करवाने की मांग रखी थी। पता चला है कि प्रशासन कुछ कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है ताकि चुनाव पारदर्शिता से सम्पन्न हो सके।

एसडीएम राजेश कुमार ने कहा है कि उपायुक्त से उन्हें चुनाव बाबत पत्र मिला था। उन्होंने सुरक्षा को लेकर एसएचओ को निर्देश दिए हैं। प्रधान पद के इस चुनाव में मुख्य रूप दो उम्मीदवारों में आमने-सामने की कांटे की टक्कर है। इनमें कृष्ण कुमार मौसूण व संदीप कुमार चुनाव मैदान में हैं। कृष्ण कुमार का चुनाव चिन्ह जहां उगता सूरज है वहीं संदीप को चुनाव चिन्ह जहाज आबंटित किया गया है। प्रशासन की देखरेख में होने वाले इस चुनाव में कुल 966 वोट है, इनमें से 700 के करीब मतदान की उम्मीद है।

63 गांवों के मतदाता करेंगे मतदान

स्वर्णकार सभा के प्रधान दीनानाथ सोनी ने बताया कि इस चुनाव में फतेहाबाद के 63 गांवों में रहने वाले स्वर्णकार समाज के लोगों के वोट है। नए वोट बनाने की अंतिम तिथि 25 जनवरी थी। इसके बाद वोटर लिस्ट की छंटनी की गई। अंतिम वोटर लिस्ट में 966 मतदाता शामिल है। ऐसा अनुमान है कि करीब 700 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। स्वर्णकार सभा का चुनाव बड़े ही हाईटैक तरीके से चल रहा है। हर मतदाता को आधार कार्ड से जोड़ा गया है। मतदान 16 फरवरी को धर्मशाला रोड स्थित स्वर्णकार सेवा सदन में होगा। बता दें कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि दो युवा स्वर्णकार सभा के प्रधान पद को लेकर चुनाव मैदान में है। इससे पूर्व यहां उम्रदराज लोग ही सभा की बागड़ोर संभालते रहे हैं। बड़ी बात यह है कि यह चुनाव विधानसभा चुनाव की तर्ज पर लड़ा जा रहा है। दोनों की उम्मीदवारों ने धर्मशाला रोड पर अपने-अपने ऑफिस खोल रखे हैं, जहां समाज के लोगों के लिए पिछले कई दिनों जलपान की भी व्यवस्था की गई है।

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव दौरान मुनाफे का सौदा

▶▶ परिसंपत्ति का 65 से 80% आवंटन शेयरों में किया जाता है निवेश
▶▶ शेष बॉन्ड में लगाया जाता है, इसमें नुकसान होने बेहद कम चांस
▶▶ शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती
▶▶ संतुलित परिसंपत्ति आवंटन से चुनौतियों से निपटने में समर्थ

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए हमेशा से ही एक चुनौती बनी हुई है। इसके साथ ही लंबे इंतजार के बाद ब्याज दर में कटौती की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में निवेश के मोर्चे पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड म्युचुअल फंड के जरिये निवेश समझदारी भरा कदम हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति के दबाव और ब्याज दर में संभावित कटौती जैसी आशंकाओं के कारण शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव वाले मौजूदा माहौल में निवेश के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड फंड बिल्कुल उपयुक्त हैं। ये संतुलित परिसंपत्ति आवंटन के कारण ऐसे फंड इन चुनौतियों से निपटने में अधिक समर्थ होते हैं।' 'हाइब्रिड फंड सभी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त होते हैं। ये फंड इक्विटी बाजार में नए निवेशकों के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इनसे परिसंपत्ति वर्ग में भरोसा बढ़ाने में मदद मिलती है।'

उतार-चढ़ाव से बचाव

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के तहत परिसंपत्ति का 65 से 80 फीसदी आवंटन शेयरों में और शेष बॉन्ड में किया जाता है। आम तौर पर ये फंड अपने इक्विटी पोर्टफोलियो के लिए लार्जकैप शेयरों में अधिक निवेश करने की रणनीति अपनाते हैं। इससे मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों में अधिक निवेश वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। ब्याज दरों में गिरावट आने पर पोर्टफोलियो के बॉन्ड वाले हिस्से से पूंजीगत लाभ मिलता है। मगर ब्याज दरों में वृद्धि होने पर अल्प अवधि में नुकसान भी हो सकता है।

70 फीसदी आवंटन लार्जकैप में

बाजार के जानकारों के अनुसार 'फिलहाल इस श्रेणी में 70 फीसदी से अधिक का आवंटन लार्जकैप शेयरों में किया जाता है। इससे पोर्टफोलियो को स्थिरता मिलती है और उस पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप में अधिक आवंटन वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले बाजार के उतार-चढ़ाव का कम असर होता है। स्मॉलकैप शेयरों में 5 से 7 फीसदी और बाकी

मिडकैप शेयरों में निवेश किया जाता है। इससे फंड के इक्विटी पोर्टफोलियो में मिडकैप एवं स्मॉलकैप से संबंधित जोखिम कम होता है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर फिलहाल अधिक मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा डेट वाला हिस्सा पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता प्रदान करता है।'

लार्जकैप बेहतर

आर्थिक मंदी और कंपनियों के सुस्त मुनाफे जैसी स्थितियों का सामना करने के लिए लार्जकैप शेयर आम तौर पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों के मुकाबले बेहतर स्थिति में होते हैं। 'वित्त वर्ष 2024 जैसी बाजार परिस्थितियों में हाइब्रिड फंड शुद्ध इक्विटी फंड के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन करते हैं। मगर वे लंबी अवधि में जोखिम के बाद भी बेहतर रिटर्न देते हैं क्योंकि बाजार का रुख आम तौर पर चक्रीय होता है। शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के शानदार रिटर्न के बाद 2025 उतार-चढ़ाव वाला वर्ष हो सकता है। ऐसे में हाइब्रिड फंड का प्रदर्शन आम तौर पर बेहतर होता है। इसके अलावा हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक इस साल दरों में कटौती करेगा। इससे डेट फंड को अधिक रिटर्न देने में मदद मिलेगी क्योंकि बॉन्ड की कीमतों में तेजी आ सकती है।'

किसे करना चाहिए निवेश?

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों को आकर्षित करते हैं जो अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। 'यह फंड कम जोखिम लेने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है क्योंकि डेट आवंटन के कारण इसमें उतार-चढ़ाव का जोखिम कम होता है। इसके अलावा यह फंड उन नए निवेशकों के लिए भी उपयुक्त हैं जो शेयर बाजार में अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीके से प्रवेश करना चाहते हैं और जिनके वित्तीय लक्ष्य मध्यावधि के लिए हैं।'

इन बातों का रखें ध्यान

निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का आकलन करना चाहिए और जोखिम लेने की अपनी क्षमता के अनुरूप फंडों का चयन करना चाहिए। उन्हें निवेश से पहले फंड के पिछले प्रदर्शन पर भी गौर करना करना चाहिए। वैसे तो इन फंडों की रफ्तार अपेक्षाकृत स्थिर होती है, लेकिन कभी-कभी उतार-चढ़ाव का दौर भी दिख सकता है। इसलिए निवेशकों को कम से कम 5 साल के लिए निवेश पर विचार करना चाहिए। इन फंडों में निवेश करने का सबसे प्रभावी तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है। 'अग्रेसिव हाइब्रिड फंडों में कम से कम 3 से 5 साल तक निवेश रखना चाहिए। इससे निवेशक को बाजार चक्रों के प्रभावों से निपटने और संतुलित रिटर्न हासिल करने में मदद मिलती है।' उनका सुझाव है कि मध्यम जोखिम लेने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 15 से 25 फीसदी आवंटन इस फंड में कर सकते हैं जबकि कम जोखिम लेने वाले निवेशकों को 10 से 15 फीसदी आवंटन करना चाहिए।

मल्टी एसेट फंड बाजार की उथल-पुथल के बीच स्टेबल रिटर्न का दम

■ 1 से 5 साल में मल्टी एसेट फंड की टॉप स्कीम्स ने दिया अच्छा पैसा
■ कम पैसों में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने के लिए जाना जाता है
■ इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

बाजार में भारी उथल-पुथल हो तो तमाम निवेशकों के सामने स्टेबल रिटर्न हासिल करने की चुनौती खड़ी हो जाती है। म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले रिटेल इनवेस्टर्स के सामने भी यही सवाल होता है कि इक्विटी फंड्स के गिरते रिटर्न के बीच उन्हें कहां निवेश करना चाहिए? हालांकि इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना चाहिए और शॉर्ट टर्म में होने वाली उथल-पुथल से घबराना नहीं चाहिए, लेकिन सच तो यह भी है कि इक्विटी मार्केट के उतार-चढ़ावों को बैलेंस करने के लिए आपके पोर्टफोलियो में डेट से लेकर गोल्ड और सिल्वर तक, दूसरे एसेट क्लास वाले निवेश भी शामिल होने चाहिए। मगर जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो इतना बड़ा नहीं होता कि वे इतने सारे अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश कर सकें, उनके सामने क्या विकल्प? इस सवाल का जवाब हो सकते हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के जरिये कम पैसों में ही पोर्टफोलियो को तमाम एसेट क्लास में डायवर्सिफाई किया जा सकता है।

एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. व्हाइटओक कैपिटल मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	19.66%
2. डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	17.23%
3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	16.11%
4. निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.98 %
5. आदित्य बिड़ला सन लाइफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.81%
6. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.45%
7. बंधन मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.39%
8. एक्सिस मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.10%

लॉन्ग टर्म रिटर्न : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का लॉन्ग टर्म रिटर्न देखने से पता चलता है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए भी यह काफी बेहतर विकल्प हो सकते हैं। टॉप 5 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के पिछले 5 साल के रिटर्न के आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. क्वांट मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	27.78 %
2. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	21.68%
3. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.84%
4. एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान :	15.70%
5. एसबीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान :	14.39%

मल्टी एसेट फंड्स की इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स की निवेश रणनीति में निवेशकों को हमेशा स्टेबल और बैलेंस्ड रिटर्न देने पर जोर दिया जाता है। अपने इस मकसद को हासिल करने के लिए ये फंड इक्विटी और डेट के अलावा गोल्ड, सिल्वर, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स में भी पैसे लगाते हैं। इक्विटी, डेट और गोल्ड में इनका निवेश कम से कम 10-10% होता है। ऐसी निवेश रणनीति और अल-अलग एसेट क्लास में बंटे पोर्टफोलियो की वजह से ये फंड बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के दौरान भी बेहतर रिटर्न देने में सफल होते हैं। साथ ही ये फंड कम रिस्क में बेहतर रिटर्न के लिए बाजार के हालात और ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए अपने एसेट एलोकेशन में बदलाव भी करते रहते हैं।

अस्थिरता के दौर में निवेश का बेहतर विकल्प

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स को उनके डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो की वजह से उतार-चढ़ाव भरे माहौल में निवेश का बेहतर तरीका माना जाता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स की कैटेगरी में आने वाले इन फंड्स के पोर्टफोलियो में इक्विटी से लेकर डेट और गोल्ड-सिल्वर समेत तमाम अलग-अलग एसेट्स क्लास शामिल होते हैं। यही वजह है कि इनका रिस्क-रिटर्न बैलेंस काफी अच्छा रहता है।

टॉप मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का 1 साल का रिटर्न

इन दिनों बाजार में देखी जा रही भारी उथल-पुथल के बावजूद कम से कम 8 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हैं, जिन्होंने 1 साल में 15% से ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाले फंड का एक साल का रिटर्न लगभग 20% रहा है। एक हाइब्रिड फंड्स के लिए इतना रिटर्न काफी अच्छा माना जा सकता है। खास तौर पर बाजार में गिरावट के माहौल को देखते हुए यह वाकई बढ़िया प्रदर्शन है।

किनके लिए सही हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

ऐसे इनवेस्टर मल्टी एसेट एलोकेशन फंड में निवेश करने की सोच सकते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के दौरान स्टेबल रिटर्न चाहते हैं और इसके लिए अपने पोर्टफोलियो में हर एसेट क्लास को जगह देना चाहते हैं। खास तौर पर ऐसे छोटे निवेशक, जो डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो तैयार करने के लिए ज्यादा बड़ी रकम नहीं लगा सकते, मल्टी एसेट फंड पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता के बावजूद इक्विटी में एक्सपोजर और दूसरे एसेट्स के बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होने के कारण ज्यादातर मल्टी एसेट फंड्स का रिस्क लेवल 'हाई' या 'वेरी हाई' रखा गया है। यानी रिस्क तो इनमें निवेश के साथ भी जुड़ा हुआ है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले सभी बातों को अच्छी तरह समझ लें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सिफारिश करना नहीं है। म्यूचुअल फंड के पिछले रिटर्न को भविष्य में वैसे ही प्रदर्शन की गारंटी नहीं माना जा सकता। निवेश का कोई भी फैसला सेबी से मान्यता प्राप्त निवेश सलाहकार की राय लेने के बाद ही करें।)

पैसिव म्यूचुअल फंड बढ़ रहा बोलबाला एयूएम 24% बढ़कर 11 लाख करोड़ पर

●लगातार निवेशकों की बनते जा रहे हैं पसंद, दे रहे बढ़िया रिटर्न ● इस साल पैसिव फंडों ने मचाया धमाल, दिया कई गुणा मुनाफा ● पैसिव म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी

योजना
बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ रही म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में इस समय पैसिव फंड का बोलबाला है। साल 2024 में इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सहित पैसिव फंड के निवेशकों के पोर्टफोलियो यानी खाता संख्या में 37 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 24% से ज्यादा बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। आखिर पैसिव फंड क्या होते हैं, जिनका बोलबाला इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है और निवेशकों को यह फंड क्यों इतने पसंद आ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड हाउसों ने 2024 में कुल 122 नई पैसिव फंड योजनाएं लॉन्च कीं। फंड इंडस्ट्री में सबसे प्रमुख कंपनियों में शामिल निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के पास अब पैसिव फंडों में 1.46 करोड़ पोर्टफोलियो हैं। इसका कुल एयूएम 1.65 लाख करोड़ रुपये है और ईटीएफ के ट्रेडिंग वॉल्यूम का 55% बड़ा हिस्सा है। कोटक म्यूचुअल फंड, एक्सिस और मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड जैसे अन्य फंड हाउसों ने भी पैसिव फंड में बेहतर वृद्धि दर्ज की है।

निवेशकों को समझना आसान

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने साल 2024 में पैसिव कैटेगरी में 8 नए फंड लॉन्च किए। अब उसके पास उद्योग में 24 ईटीएफ और 21 इंडेक्स फंड हैं। इस श्रेणी को चुनने में निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए अन्य एएमसी ने भी कई पैसिव फंड लॉन्च किए हैं। पैसिव फंडों ने भी निवेशकों को आकर्षित किया है, क्योंकि उनकी लागत संरचना कम होती है और उन्हें समझना आसान होता है, जिससे वे रिटेल और फंड मैनेजर दोनों निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण

जो लोग सोच रहे हैं कि पैसिव म्यूचुअल फंड क्या हैं, तो इसका जवाब अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण में निहित है। अपने सक्रिय समकक्षों के विपरीत, पैसिवली मैनेज्ड फंड बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास नहीं करते हैं। इसके बजाय, उनका प्राथमिक लक्ष्य ऐसे रिटर्न प्राप्त करना है जो बेंचमार्क इंडेक्स को बारीकी से दर्शाते हैं। नतीजतन, फंड मैनेजर की भूमिका अपेक्षाकृत निष्क्रिय होती है, जो एक पोर्टफोलियो संरचना को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करती है जो इंडेक्स की अंतर्निहित परिसंपत्तियों को दर्शाती है।

क्यों खास हैं पैसिव फंड

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के ईटीएफ प्रमुख अरुण सुंदरेसन कहते हैं कि पैसिव एक दिलचस्प ऑफरिंग बनाता है। फंड बाजार के विभिन्न हिस्सों में शुद्ध एक्सपोजर प्रदान करते हैं, जिससे वे सच्चे, सही लेबल उत्पाद बन जाते हैं। बहुत सारे अनूठे फंड हैं, जो निवेशकों को चुनने के लिए बहुत अलग पोर्टफोलियो और विभिन्न प्रकार के जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल प्रदान करते हैं। इनके इसी डाईवर्सिफिकेशन की वजह से निवेशकों को यहां पैसे लगाना कम जोखिम वाला लगता है।

क्या होते हैं पैसिव फंड

पैसिव म्यूचुअल फंड में किसी सूचकांक या खंड को ट्रैक किया जाता है और इसमें अलग-अलग स्टॉक को चुनने की जरूरत नहीं होती है। इनका खर्चा भी एक्टिव फंड की तुलना में कम आता है। ये फंड बाजार के सूचकांक को दोहराने की कोशिश करते हैं, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करके अपने जोखिम का आकलन करते हैं। जैसा शेयर बाजार प्रदर्शन करता है, उसी के मुताबिक निवेशकों को रिटर्न देते हैं। इन पर जोखिम भी कम होता है और लंबी अवधि में निवेश करने पर ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं

पैसिव फंड्स की मुख्य अपील उनकी कम लागत में निहित है, क्योंकि वे आम तौर पर एक्टिव फंड्स की तुलना में कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें व्यापक शोध, स्टॉक चयन और लगातार ट्रेडिंग की आवश्यकता नहीं होती है, जो सभी खर्चों को बढ़ा सकते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

पैसिव फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और बाजार के व्यापक क्षेत्रों में एक्सपोजर प्राप्त करने का एक लागत प्रभावी तरीका प्रदान करते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

तैयारी — पिछले साल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ का निवेश हुआ था, दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486% का उछाल आया

दिसंबर 2024 में गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये का निवेश हुआ

गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश कर रहे लोग, करीब 6 गुना बढ़ा जनवरी में 3,751.42 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर नेट इनफ्लो

इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत में नए साल की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड निवेश हुआ। यह लगातार 9वां महीना है जब घरेलू स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। इससे पहले बीते साल अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में नेट आउटफ्लो देखा गया था। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 18 गोल्ड ईटीएफ में जनवरी 2025 के दौरान रिकॉर्ड 3,751.42 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इससे पहले सबसे ज्यादा मंथली नेट इनफ्लो (+1,961.57 करोड़ रुपये) बीते साल अक्टूबर में आया था। पिछले साल की समान अवधि यानी जनवरी 2024 के मुकाबले यह 471 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल की समान अवधि के दौरान देश के कुल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486 फीसदी का उछाल आया है। दिसंबर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था।

समझदारी
बिजनेस डेस्क

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी और लगातार इनफ्लो के चलते जनवरी के अंत में गोल्ड ईटीएफ का नेट एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर रिकॉर्ड 51,839.39 करोड रुपये पर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि के दौरान यह 27,778.08 करोड़ रुपये था जबकि दिसंबर 2024 में यह 44,595.60 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। जनवरी के दौरान घरेलू स्तर पर गोल्ड की बेंचमार्क कीमतों में 8 फीसदी का इजाफा हुआ। इसी अवधि के दौरान घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी क्रमश 0.6 और 0.8 फीसदी टूटे। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तो क्रमशः 6 फीसदी और 10 फीसदी की जोरदार गिरावट रही।

क्या कहते हैं आंकड़े

इससे पहले पूरे कैलेंडर ईयर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल 11,266.11 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ जबकि कैलेंडर ईयर 2023 के दौरान 2,923.81 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। कैलेंडर ईयर 2022 के दौरान 11 गोल्ड ईटीएफ में कुल 458.79 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

2024 में मंथली निवेश/निकासी

- दिसंबर 2024 +640.16 करोड़ रुपये
- नवंबर 2024 +1,256.72 करोड़ रुपये
- अक्टूबर 2024 +1,961.57 करोड़ रुपये
- सितंबर 2024 +1,232.99 करोड़ रुपये
- अगस्त 2024 +1,611.38 करोड़ रुपये
- जुलाई 2024 +1,337.35 करोड़ रुपये
- जून +726.16 करोड़ रुपये
- मई +827.43 करोड़ रुपये
- अप्रैल -395.69 करोड़ रुपये
- मार्च +373.36 करोड़ रुपये
- फरवरी +657.46 करोड़ रुपये
- जनवरी +997.22 करोड़ रुपये

क्यों जमकर लग रहा पैसा

जानकारों के अनुसार इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता ने निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। गोल्ड में बेहतर रिटर्न की संभावना के बीच निवेशक फिलहाल अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने के लिए इस एसेट क्लास में ईटीएफ के जरिये जमकर निवेश कर रहे हैं। साथ ही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कोई और सीरीज के आगे लॉन्च नहीं होने के आसार और पिछले बजट में टैक्स नियमों में हुए बदलाव के बाद गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण बढ़ा है।

ग्लोबल लेवल पर शानदार शुरुआत

ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ के लिए नए साल की शुरुआत शानदार रही। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल से मिले ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2025 की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में निवेश 3 बिलियन डॉलर बढ़ा। वॉल्यूम /होल्डिंग के लिहाज से इस दौरान निवेश में 34.5 टन की वृद्धि हुई। सोने की कीमतों में तेजी और लगातार दूसरे महीने आए इनफ्लो के दम पर जनवरी 2025 के अंत तक गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम और टोटल होल्डिंग बढ़कर क्रमशः रिकॉर्ड 294.2 बिलियन डॉलर और 3,253.3 टन पर पहुंच गए। ग्लोबल लेवल पर ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच जनवरी में सोने के भाव में तकरीबन 8 फीसदी का इजाफा हुआ।

28.6 टन का आउटफ्लो

पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के दौरान भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 0.3 बिलियन डॉलर यानी 3.6 टन बढ़ा था। हालांकि बीते साल नवंबर में लगातार छह महीने की तेजी के बाद गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर यानी 28.6 टन का आउटफ्लो दर्ज किया गया था।जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ को सबसे तगड़ा सपोर्ट यूरोप से मिला। पिछले महीने यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़कर मार्च 2022 के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान यूरोप में 3.4 बिलियन डॉलर (+39 टन) का नेट इनफ्लो देखा गया। ज्यादातर निवेश इंग्लैंड और जर्मनी में आया। हालांकि बीते साल ज्यादातर महीने यूरोप में नेट आउटफ्लो दर्ज किया गया था। नार्थ अमेरिकी फंडों में लगातार दूसरे महीने जनवरी में आउटफ्लो देखा गया। इस दौरान नार्थ अमेरिकी फंडों से निवेशकों ने नेट 499 मिलियन डॉलर (-5.9 टन) निकाले। जबकि एशियाई फंडों में निवेशकों ने जनवरी में नेट 57 मिलियन डॉलर (+0.3 टन) डाले। एशिया में भारत इनफ्लो के मामले में सबसे आगे रहा। हालांकि चीन में इस दौरान 399.1 मिलियन डॉलर का आउटफ्लो दर्ज किया गया।

खबर संक्षेप

जेल में कानूनी सहायता शिविर का आयोजन

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा स्थानीय जिला जेल में मुफ्त कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता डिप्टी एएलडीसी केएस गिल, एडवोकेट और सहायक एलएडीसी दविंदर कौर एडवोकेट ने की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि शिविर के दौरान बंदियों और कैदियों को मुफ्त कानूनी सहायता की जानकारी दी गई।

नगदी चोरी की घटना सुलझाई, आरोपी काबू

सिरसा। रोड़ी थाना पुलिस ने गांव कुरंगावाली क्षेत्र में स्थित एक घर से हुई नकदी चोरी की वारदात मात्र 12 घंटों में सुलझाते हुए आरोपी को काबू कर लिया। रोड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान लवप्रीत सिंह पुत्र जगतार सिंह निवासी जंडवाला जटान जिला सिरसा के रुप में हुई है। पुलिस में दी शिकातय में शिकायतकर्ता ने बताया था कि बीते दिन वह काम के सिलसिले में घर से बाहर गया था और वापस आकर पैसे लेने के लिए घर में रखी पेटी को चेक किया तो उसमें से 19 हजार रुपए की नकदी कोई नामालूम व्यक्ति चोरी करके ले गया।

युवक चोरीशुदा बाइक सहित गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने जांच के दौरान जनता भवन रोड नजदीक एचडीएफसी बैंक सिरसा क्षेत्र से हुई बाइक चोरी की घटना को सुलझाते हुए एक युवक को चोरीशुदा बाइक सहित काबू कर लिया है। थाना शहर प्रभारी सत्यवान ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान कुलदीप सिंह पुत्र छबील दास निवासी भोडिया बिश्रोईयां मंडी आदमपुर जिला हिसार के रुप में हुई है।

मोटरसाइकिल सवार हेरोइन सहित काबू

ओढा। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस ने गश्त के दौरान गांव बुढाभाना क्षेत्र से बाइक सवार युवक को 7 ग्राम 4 मिलीग्राम हेरोइन के साथ काबू किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा के प्रभारी उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह ने बताया कि सेल सिरसा की एक पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान मल्लेवाल रोड गांव बुढाभाना क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी को सामने से बाइक सवार एक युवक आता हुआ दिखाई दिया।

घर से करीब 19 हजार रुपये की नकदी चोरी

सिरसा। जिला के गांव कुरंगावाली में एक घर से करीब 19 हजार रुपए की नकदी चोरी हो गई। पुलिस को दी शिकायत में गांव कुरंगावाली निवासी काका सिंह ने बताया कि वह घरों में टाइल लगाने का काम करता है। उसने बताया कि उसके साथ जंडवाला जटान निवासी लवप्रीत सिंह भी मजदूरी करता है। उसने अपने घर में पेटी में 19 हजार रूपए की नगदी रखी थी। सुबह वह किसी काम से घर से गया था।

अनाज मंडी में दुकान के बाहर गाड़ी चुराई

सिरसा। शहर के अनाज मंडी में एक दुकान के बाहर से चोर गाड़ी चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में अजय कंबोज ने बताया कि अजय कंबोज निवासी झोरडऩाली ने बताया कि उसने कुछ समय पूर्व ही यह गाड़ी रानियां से खरीदी थी। अनाज मंडी में उसकी दुकान है। दुकान के पीछे ही गाड़ी खड़ी की गई थी। शाम को गाड़ी लॉक कर खड़ी की थी। सुबह संभाली तो गाड़ी गायब मिली।

दो नकाबपोशों ने की छीनाझपटी, केस दर्ज

सिरसा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गांव खैरेकां के समीप शुक्रवार रात को एक व्यक्ति के साथ दो नकाबपोश युवकों ने छीनाझपटी की वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवकों की तलाश के प्रयास किए, लेकिन उनका सुराग नहीं लग पाया है।

एसपी ने रतिया क्षेत्र के अनेक गांवों में ग्रामीणों से सुनी समस्याएं

नशे जैसी बीमारियों से नौजवानों को बचाना जरूरी : आस्था मोदी

साइबर ठगों से रहें सावधान, अनजान लिंक या कॉल को एक्सेप्ट ना करें

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया।

रतिया। गांव नागपुर में ग्रामीणों को संबोधित करते एसपी आस्था मोदी। *फोटो : हरिभूमि*

समाज में फैली नशे जैसी बीमारियों से नौजवानों को बचाना बहुत जरूरी है इसलिए अपने बच्चों की संगत और सोसायटी पर माता-पिता को पूरा ध्यान रखना चाहिए ताकि बच्चे गलत संगत में पडक़र नशे जैसी लत के शिकार ना होने पाए। अगर आपके आसपास कोई भी नशे का कारोबार कर रहा है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस दे। यह बात एसपी आस्था मोदी ने क्षेत्र के गांव नागपुर में पहुंच कर ग्रामीणों के साथ बातचीत करते हुए कही। एसपी आस्था मोदी द्वारा ग्रामीण भ्रमण के तहत अनेक गांव में पहुंची और ग्रामीणों की समस्याओं को सुना इस दौरान एसपी आस्था मोदी ने क्षेत्र के पिलछियां, महमदकी, खाई, सरदारेवाला, नंगल, लठेरा, नागपुर, तामसपुरा, हड़ौली, मढ़, अजीत नगर, अलीका, खुनन, हुक्मावली, बीराबदी सहित करीब 15 गांवों का दौरा किया। उन्होंने आमजन से बातचीत में कहा कि पुलिस आम जनता की सेवा में हमेशा तैयार है। एसपी ने बढ़ते साइबर अपराध के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि साइबर फ्रॉड करने वाले नित नए नए हथकंडे अपनाते हैं। लोगों को ऐसे साइबर ठगों से सावधान रहना चाहिए। साइबर अपराधी सोशल मीडिया के जरिए लोगों को बेवकूफ बनाकर आपके साथ साइबर फ्रॉड कर सकते हैं। अगर आपके पास कोई भी ऐसा लिंक या फिर कॉल आए तो उसको एक्सेप्ट ना करें अगर किसी के साथ फ्रॉड हो जाता है तो तुरंत 1930 पर कॉल करें। एसपी ने ट्रैफिक नियमों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जब आप लोग अपना वाहन चलाते हैं तो उस वक्त सीट बेल्ट और दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेंट का उपयोग जरूर करें और नशा करके वाहन बिल्कुल नहीं चलाना चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग बहुत लोग करते हैं, जिसके चलते सडक़ हादसों में किसी की जान भी चली जाती है। यातायात नियमों का पालन करते हुए ही वाहन चलाने चाहिए।

कौशल आधारित योग्यता से रोजगार पाना सुगमः मिगलानी

- एक दिवसीय कौशल आधारित प्रमाण पत्र कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को राष्ट्रीय व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद ने एक दिवसीय कौशल आधारित प्रमाण पत्र कार्यक्रम किया। इस कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा से संबंधित छात्रों को प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए पंजीकरण करवाया गया। प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने बताया कि वर्तमान समय कौशल आधारित शिक्षा का है और कौशल को व्यक्ति के अपने हुनर, योग्यता व मेहनत से प्राप्त कर सकता है। व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने से रोजगार पाने का रास्ता सुगम हो जाता है। ग्रामीण शिक्षा प्राइवेट लिमिटिड के ऑपरेशन सीनियर एजुकेटिव विष्णु के द्वारा पंजीकरण व कोर्स से संबंधित सभी प्रकार के दिशानिर्देश छात्रों को बताएं। उनके साथ सदस्यों के रूप में लव, आयुष व सूरज भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम से प्राप्त प्रमाण पत्र का प्रयोग छात्र रोजगार के रूप में सुनहरे भविष्य के लिए कर सकेंगे।

नाबालिग की रुकवाई शादी

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

- संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी ने पुलिस में दी शिकायत

हरिभूमि न्यूज. सिरसा। बाल विवाह के बारे में जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद लोग बाल विवाह से बाज नहीं आ रहे। पुलिस व प्रशासन की ओर से भी बाल विवाह को रोकने के लिए पैनी नजर रखी जाती है। बाल विवाह करने वालों को समझाया जाता है कि बाल विवाह करना न केवल गैर कानूनी है बल्कि बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास में भी बाधक है। अनेक अभिभावक समझाने के बावजूद समझने को तैयार नहीं है। ऐसा ही एक मामला जिला के गांव भुरटवाला में सामने आया है। संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी रेखा अग्रवाल की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि टीम को गांव भुरटवाला में बाल विवाह बारे 11 दिसंबर 2024 को सूचना मिली थी कि सुरजीत पुत्र पृथ्वीराम अपने नाबालिग बेटे मनोज का विवाह कर रहा है। मौके पर पहुंची टीम ने पाया कि सुरजीत बोयत अपने तीन बच्चों पुत्री कविता, बेटे मुकेश व मनोज की शादी 11 व 12 दिसंबर को करने जा रहा है और उसने इसके लिए कार्ड भी छपवाए है। टीम ने बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र जांचे तो मनोज की आयु 18 वर्ष पाई, जबकि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत लडक़े की शादी की उम्र 21 वर्ष निर्धारित है। ऐसे में पिता सुरजीत बोयत को मनोज के विवाह न करने बारे बताया गया। सुरजीत बोयत ने अपने बयान दर्ज करवाए कि वह मनोज का विवाह नहीं करवाएगा। केवल बालिग बच्चों की ही शादी करेगा। लेकिन उसने बयान दर्ज करवाने के बावजूद अपने बेटे मनोज का विवाह हनुमानगढ़ के गांव नौरंगदेसर निवासी रामप्रताप की पुत्री प्रियंका के साथ कर दिया।

शुभकरण को पहली पुण्यतिथि पर 21 को गांव बल्लो में दी जाएगी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते किसान नेता लखविंद्र सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

भारतीय किसान एकता के प्रधान लखविंद्र सिंह ने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान मारे गए शुभकरण की पहली पुण्यतिथि पर 21 फरवरी को उसके गांव बल्लो में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भारी संख्या में किसान पहुचेंगे। उन्होंने बताया कि सिरसा से 19 फरवरी को युवा किसान पैदल जाकर शुभकरण को श्रद्धांजलि देंगे। लखविंद्र सिंह शनिवार को मीडिया से रूबरू हो रहे थे। लखविंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार को चंडीगढ़ में 5वें दौर की बातचीत हुई, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से प्रहलाद जोशी, पंजाब से कृषि मंत्री व कृषि विभाग के अधिकारी भी आए हुए थे। मीटिंग में सरकार की ओर से अधिकारियों ने उपलब्धियां गिनवाई, जिसपर स. जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि आप उपलब्धियां गिनवा रहे हो, जबकि हम कमियां। स. डल्लेवाल ने आंकड़ों के साथ पूरा लेखा.जोखा केंद्र सरकार की ओर से आए अधिकारियों को दिया। उन्होंने किसानों की 12 मांगों का भी जिक्र किया जिस पर अधिकारियों ने सरकार की ओर से सकारात्मक पक्ष रखा।

श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय ने चलाया संपर्क अभियान

- अलग-अलग तीन टीमें बनाई और दाखिले के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। एडवोकेट सुरेंद्र बंसल व बजरंग पारिक स्कूल के 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संस्कृत महाविद्यालय में दाखिले के लिए प्रेरित करते हुए।

श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय के संपर्क अभियान के तहत कॉलेज प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेंद्र बांसल के नेतृत्व में संपर्क अभियान चलाया, जिसमें अलग-अलग तीन टीमें बनाई गई। पहली टीम में एडवोकेट सुरेंद्र बंसल व बजरंग पारिक ने नथोर, मम्मडख़ेड़ा, खारिया, बणी, जोधपुरिया गांवों के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों से मिलकर संस्कृत महाविद्यालय के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा उन्हें दाखिले के लिए प्रेरित किया। दूसरी टीम ने प्राचार्य गणेश शंकर व आजाद शास्त्री के नेतृत्व में चौटाला, गोरीवाला, बिज्जुवाली, रिसालिया खेड़ा, केहरवाला गांवों के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में दाखिले के लिए विद्यार्थियों से संपर्क किया। इसी प्रकार तीसरी टीम विक्रम आचार्य व गौतम आचार्य ने रूपावास, जमाल, गुडिया खेड़ा गांवों का दौरा कर विद्यार्थियों से संपर्क किया।

जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता भी दी जाती

प्रबंधक बजरंग पारीक ने बताया कि अब तक तीनों टीमों द्वारा कुल 65 गांवों के स्कूलों में निजी व सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों से संपर्क किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि ये सिरसा जिला का एक मात्र संस्कृत महाविद्यालय है। इस कॉलेज में नई राष्ट्रीय नीति के तहत चार वर्षीय इंडीग्रेटिड प्रोग्राम शुरू हो चुका है, जोकि सेमेस्टर सिस्टम पर आधारित है, जिससे भविष्य में बीएड करने वाले विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त कॉलेज में फीस नाम मात्र शुल्क है। सभी प्रकार की छात्रवृति सभी छात्रों को मिलती हैं। विद्यार्थियों को पुस्तकें व स्टेशनरी का सामान भी महाविद्यालय से दिया जाता है। जरूरतमंद छात्रों को आर्थिक सहायता भी दी जाती है।

नशे की लत स्वास्थ्य को करती प्रभावित : सैन

- राजकीय महिला महाविद्यालय में एनएसएस में प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। मेडिकल सोशल वेलफेयर ऑफिसर छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए।

राजकीय महिला महाविद्यालय में एनएसएस प्रभारी डॉ. प्रीत कौर के संयोजन में भाषण, स्लोगन तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता नशामुक्ति और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित आदि विषयों पर करवाई गई। सबसे पहले कंवर सैन मेडिकल सोशल वेलफेयर ऑफिसर, सिविल अस्पताल सिरसा ने छात्राओं से कहा कि नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। नशे के तात्कालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह के प्रभाव होते हैं। नशे की लत मस्तिष्क, गले, फेफड़े, पेट, अग्नाशय और तंत्रिका जैसे विभिन्न अंगों को नुकसान पहुंचा सकती है। शरीर और मस्तिष्क को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचने के लिए नशामुक्ति आवश्यक है। नशा मस्तिष्क के कार्य को बाधित कर सकता है जिससे निर्णय लेने की समस्या हो सकती है। इससे अनिद्रा, चिंता और अन्य समस्याओं जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इस विषय पर उन्होंने विस्तारपूर्वक चर्चा की। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में लगभग 15 छात्राओं ने भाग लिया। स्लोगन प्रतियोगिता में रिया बीसीए द्वितीय वर्ष ने पहला, पायल बीए द्वितीय वर्ष ने दूसरा और अंजलि बीसीए द्वितीय वर्ष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में रिया ने पहला, चेष्टा ने दूसरा और कामना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में पहला स्थान मुस्कान, दूसरा चारुल और महक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका सहायक प्रोफेसर रूपिंद्र कौर, प्राध्यापिका मनीषा और अंतू ने निभाई। इस मौके पर महाविद्यालय के शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक स्टाफ सदस्यों के साथ काफी संख्या में छात्राएं मौजूद रहे।

जल संरक्षण की दी जानकारी

- मोहम्मदपुरिया स्कूल में मनाया भूजल संरक्षण सप्ताह

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। पारम्परिक जल स्त्रोत्रों की जानकारी लेते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

गांव मोहम्मदपुरिया में स्थित आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विभाग द्वारा निर्देशित राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह के अंतर्गत भूजल संरक्षण सप्ताह मनाया गया। विद्यालय प्रभारी पूजा के निर्देशन व भूगोल प्रवक्ता दिनेश कुमार के नेतृत्व में इस सप्ताह में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम तो रसायन विज्ञान के प्राध्यापक देवी लाल ने जल की महता तथा पर्यावरण में जल के चक्र के ऊपर विद्यार्थियों को व्याख्यान दिया। भूगोल प्रवक्ता दिनेश कुमार कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों को विद्यालय के निकट स्थित जल घर ले गए तथा उनको जल संरक्षण, जल संचयन तथा जल के पारंपरिक स्त्रोतों की जानकारी दी गई। इसके बाद विद्यालय में जल बचाओ अभियान के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय में ही बच्चों को उनके हाथ से ब्रायन रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनवाया गया तथा उनको वर्षा जल के संचयन तथा अन्य पारंपरिक स्त्रोतों के जल के संचयन के बारे में भूगोल प्रवक्ता दिनेश कुमार ने बड़ी गहनता से जानकारी दी गई।

स्टेम मेले में विद्यार्थियों ने प्रदर्शित किए मॉडल

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

- राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में लगाई प्रदर्शनी

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पां में स्टेम मेले में भव्य प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी में गणित विषय के 17 तथा विज्ञान विषय के 23 प्रोजेक्ट, मॉडल व क्रियाकलाप प्रस्तुत किए। प्रवक्ता नरेश कुमार ने कहा कि शिक्षा विभाग का यह एक सराहनीय कदम है, जिससे न केवल बच्चों की मानसिक क्षमता का विकास होता है बल्कि उनकी रूचि और जिज्ञासा को भी बढ़ावा मिलता है। इस मेले में छात्रों ने अग्नि शमन यंत्र, विद्युत लेपन, स्टार्च परीक्षण, अम्ल-क्षार उपस्थिति की जांच आदि अनेक विषयों पर वर्किंग मॉडल तैयार किए। प्रदर्शनी लगाने में अध्यापक अजय कुमार, प्रदीप कुमार सरावता, संदीप मेहरा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। स्टेम मेले का अवलोकन करने के लिए राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी स्कूल का भ्रमण किया। विद्यालय प्रबंधन कमेटी के प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए मॉडल व प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया।

आयोजनों के बहाने बच्चों का समय खराब कर रही सरकार : राजपाल

समस्याओं को लेकर डीईओ से मिला अध्यापक संघ

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। शिक्षकों की समस्याओं को लेकर डीईओ से बातचीत करते अध्यापक संघ के पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

अध्यापकों की समस्याओं के समाधान को लेकर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ का प्रतिनिधि मंडल जिला प्रधान राजपाल मिताथल की अध्यक्षता में जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने एलटीसी, मेडिकल मामले, एसीपी मामले हल करवाने सहित शिक्षकों की स्थानीय समस्याओं को विस्तार से डीईओ के सामने रखते हुए इनके समाधान की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में राज्य ऑडिटर सुरजीत दुसाद, जिला वरिष्ठ उपप्रधान डॉ. नीतू डुडेजा, दलबीर सिंह भूना प्रधान, हरपाल हुड्डा फतेहाबाद प्रधान, सतपाल ढाका प्रधान भट्ठकलां, मुरारी लाल सचिव, राजेश गोठरा कोषाध्यक्ष फतेहाबाद शामिल रहे।

प्रमुख मांगें

जिला प्रधान राजपाल मित्ताथल व जिला सचिव देसराज माचरा ने बताया कि मौलिक अधिकारी कार्यालय में 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले एससी /बीसी अध्यापकों को एसीपी नहीं दिया जा रहा है। एचआरएमएस/एमआईएस को अनफ्रीज करने में महीना समय लग जाता है, इसको कम किया जाए। जेबीटी से एटी की पदोन्नति की जाए। मैना देवी जेबीटी जीपीएस रामसरा, अजीत सिंह जेबीटी जीपीएस बामनवाला, महेंद्र सिंह एटी जीपीएस कुलां के एसीपी मामले रखे। हरप्रीत कौर जेबीटी जीपीएस पिरथला को जुलाई से अभी तक वेतन नहीं मिलना, बेअंत कौर रिटायर्ड एटी के मेडिकल बिल का बजट जारी करना, जीजीएमएसपीएस रतिया में टॉयलेट की बकाया राशि जारी करना, नरेश कुमार, सुरेंद्र, सतनाम ,विनोद, मुकेश जीपीएस कुकड़ावाली और नरेश कुमार जीपीएस शक्ति नगर की पोस्ट एचआरएमएस पर शो नहीं होना जैसी समस्याएं रखी। इसी प्रकार जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जीएसएसएस रतिया के अध्यापकों की अपार का मामला, वीर सिंह पीजीटी रतिया का मेडिकल बिल, देवेंद्र सिंह पीजीटी हिंदी फतेहाबाद का मेडिकल बिल, प्रॉपर चैनल से एसीपी मामले भिजवाने के लिए बीईओ फतेहाबाद व भूना की आईडी जेनरेट करवाने की भी मांग की।

खबर संक्षेप

भट्टू क्षेत्र से युवती लापता तलाश में जुटी पुलिस

फतेहाबाद। जिले के भट्टू क्षेत्र से एक युवती के लापता होने का समाचार है। इस बारे परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। भट्टूकलां पुलिस को दी शिकायत में गांव ठुईयां निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसकी 21 वर्षीरू पत्नी गत दिवस घर से दवाई लाने के लिए भट्टू जाने की बात कहकर घर से गई थी और उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी है। इसके बाद उन्होंने काफी जगह उसकी तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहींचला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में भट्टूकलां पुलिस ने केस दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है।

ट्रक से हजारों का सामान चोरी, केस दर्ज

फतेहाबाद। शहर के रतिया रोड से अज्ञात चोर एक ट्रक से हजारों का सामान चोरी कर ले गए। इस बारे ट्रक चालक द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में कीर्ति नगर, रतिया रोड फतेहाबाद निवासी अजय सिंह ने कहा है कि वह गाड़ी की ड्राइविंग का काम करता है। गत दिवस उसने अपनी अशोका लीलैंड गाड़ी को मांझू धर्मकांटे के सामने खाली पलाट में खड़ा किया और घर चला गया। रात को खाना खाकर जब वह गाड़ी में सोने के लिा आया तो उसने देखा कि देखा कि उसकी गाड़ी से बड़ा बैटरा और टूल बॉक्स से जैक गायब था। ट्रक के साइड का शीशा भी टूटा हुआ था। इस पर पहले उसने आसपास तलाश की लेकिन जब चोरों बारे कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

सभी उम्मीदवार कमल के निशान पर लड़ेंगे, प्रत्याशियों की घोषणा

नप चुनाव को लेकर भाजपा-हलोपा में गठबंधन चेयरमैन पद के लिए वीर शांति स्वरूप मैदान में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा, आम आदमी पार्टी व जेजेपी ने अपने-अपने चेयरमैन पद के उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं कांग्रेस ने जसविंद्र कौर को चेयरमैन पद के लिए उतारा है। भाजपा नेता वीर शांति स्वरुप को मैदान में उतारा है तो आप की ओर से कविता नागर व जेजेपी की ओर से प्रवीन तुर्किया उर्फ लक्की चौधरी का प्रत्याशी बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि सिरसा में नगर निकाय चुनाव भाजपा-हलोपा मिलकर लडेंगे और दोनों पार्टियों की सहमति से 32 वार्डों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा भी कर दी गई है।

भाजपा उम्मीदवार वीर शांति स्वरूप 1987 से राजनीति में सक्रिय हैं। वे तीन बार खुद और एक बार उनकी पत्नी नगर पार्षद रह चुके हैं। वीर शांतिस्वरूप ने अपनी राजनीति लोकदल से शुरू की थी। वह युवा लोकदल के प्रदेश महासचिव भी रह चुके हैं। साल 1987 में पहली बार पार्षद बने थे। 1995 तक लगातार पार्षद बनते रहे। साल 1996 में उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर ली थी। 1995 से 2000 तक उनकी पत्नी पार्षद रही। बाद में 2000 से 2005 तक एक कार्यकाल और वीर शांतिस्वरूप ने बतौर पार्षद पूरा किया। वीर शांतिस्वरूप के पिता बंसीलाल ट्रेड यूनियन के प्रधान रह चुके हैं और भाजपा में भी अनेक पदों कार्य किया है।

फतेहाबाद। जाखल में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते जिलाध्यक्ष।

वरिष्ठता का मिला लाभः

बताया जा रहा है कि सिरसा से चेयरमैन उम्मीदवारों के आवेदन लिए जाने के दौरान 6 नाम सामने आए थे। उनके पैनल हाईकमान को भेजे गए थे। प्रमुख चेहरों के तौर पर वीर शांति स्वरूप, सुनील बामनिया और सागर केहरवाला का नाम माना जा रहा था। इनमें वीर शांतिस्वरूप टिकट पाने में सफल हो गए हैं।

जजपा व आप ने घोषित किए उम्मीदवार

उल्लेखनीय है कि जननायक जनता पार्टी ने सबसे पहले निकाय चुनाव में चेयरमैन पद के लिए लक्की चौधरी को अपना उम्मीदवार बनाया है। इसी प्रकार आम आदमी पार्टी ने भी कविता नागर को चेयरमैन पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस पार्टी शनिवार देर शाम को जसविंद्र कौर को चेयरमैन पद के लिए मैदान में उतारा दिया है। निकाय चुनाव में लिए नामांकन करने के लिए अंतिम तिथि 17 फरवरी है और 2 मार्च को चुनाव होंगे।

कमल के निशान पर चुनाव लड़ेंगे बीजेपी-हलोपा उम्मीदवार

भाजपा व हलोपा का नगर परिषद चुनाव में गठबंधन हो गया है। दोनों दल एनडीए के घटक के रूप में चुनाव मैदान में उतरेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष शीशपाल कंबोज व हलोपा जिलाध्यक्ष जयसिंह कुसुंबी ने शनिवार को एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में अपने सभी 32 वार्डों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से हलोपा व भाजपा नेताओं में गठबंधन को लेकर तकरार चल रही थी। भाजपा नेता गोबिंद कांडा व बीजेपी नेता अमन चोपड़ा भी एक-दूसरे पर छींटाकसी कर चुके हैं। हालांकि प्रेस कांफ्रेंस में आज दोनों नेता इक_े बैठे हुए दिखाई दिए और दावा किया कि भाजपा व हलोपा एनडीए के घटक के रूप में चुनाव लड़ते हुए विजयश्री हासिल करेगी।

सुरेन्द्र मित्तल जाखल नपा चेयरमैन पद के लिए भाजपा प्रत्याशी घोषित

17 को भरेंगे नामांकन, तैयारियों को लेकर हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद

■ बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य ने शिरकत की वहीं अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ग्रोहा ने की

आगामी 2 मार्च को होने जा रहे नगर पालिका जाखल के चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई है। भाजपा ने यहां से सुरेन्द्र मित्तल को चेयरमैन पद के लिए मैदान में उतारा है। वह 17 फरवरी को नामांकन दाखिल करेंगे। प्रत्याशी की घोषणा के साथ ही भाजपा की जिला टीम एक्टिव हो गई है। सुरेन्द्र मित्तल के जाखल स्थित चुनावी कार्यालय में तैयारियों को लेकर भाजपा जिला पदाधिकारियों की बैठक हुई। इस बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य ने शिरकत की वहीं अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा ने की। बैठक में जिला पदाधिकारियों के साथ साथ जाखल के स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया। जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य व जिलाध्यक्ष स. बलदेव सिंह ग्रोहा ने बताया कि भाजपा के प्रत्याशी सुरेन्द्र मित्तल 17 फरवरी सोमवार को प्रातः 10 बजे अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश स्तरीय बड़े नेता भी पहुंचेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि नपा जाखल के चुनावों में भाजपा प्रत्याशी सुरेन्द्र मित्तल की जीत को सुनिश्चित करने के लिए कमर कस लें। चुनावी रण में पूरी ताकत और जोश के साथ फिल्ड में काम करें। जाखल के हर वार्ड, गली, मोहल्लों में मतदाताओं से सम्पर्क करते हुए भाजपा सरकार की कल्याणकारी नीतियों व कार्यशैली के बारे में बताएं। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास की राजनीति करती आई है। फतेहाबाद जिले सहित पूरे हरियाणा में बिना भेदभाव के विकास कार्य हो रहे हैं। जाखल क्षेत्र में रुके पड़े विकास कार्यों को यहां भाजपा प्रत्याशी सुरेन्द्र मित्तल की जीत के तुरंत बाद शुरू करवा दिया जाएगा। जाखल क्षेत्र में विकास की नई लहर लाने का काम करेंगे। सबका साथ, सबका विकास के नारे के साथ जाखल क्षेत्र में विकास और बदलाव की आंधी लाने का काम किया जाएगा।

सभी को साथ लेकर चलेंगे : सिंगला

इस अवसर पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं की चुनावी ड्यूटियां भी लगाई गई। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी सुरेन्द्र मित्तल ने यहां से उन्हें चुनाव लडने का मौका देने के लिए भाजपा हाई कमान का आभार व्यक्त किया तथा विश्वास दिलाया कि वह सभी को साथ लेकर चलेंगे। इस अवसर पर अशोक जाखड़, जंगजीत हुड्डा, महेश शर्मा, संजय रेवड़ी, जगदीश शर्मा, टोहाना नगर परिषद के चेयरमैन नरेश बंसल, जिला सचिव सविता टुटेजा, विक्रम शर्मा, कुलवंत सैनी, पूनम सिंगला, जाखल के पदाधिकारी हरमेश शर्मा, किरण शर्मा, यादविन्द्र शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तूड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक को टक्कर मारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

रतिया रोड पर तूड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्राली ने मोटरसाइकिल में टक्कर दे मारी। इस हादसे में बाईक सवार दो युवक घायल हो गए। इस मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में गांव भिरड़ाना निवासी हरदीप सिंह ने कहा है कि गत दिवस रात को वह अपने दोस्त जग्गा निवासी हमजापुर के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव काताखेड़ी से उसे गांव हमजापुर छोडऩे जा रहा था। जैसे ही वह फतेहाबाद से रतिया रोड पर गांव अलीपुर बरोटा मोड़ के पास पहुंचे तो उसी समय रतिया की तरफ से आ रही एक तूड़ी से भरी ट्राली के चालक ने ट्रैक्टर को लापरवाही व तेजगति से चलाया और उनके मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर दे मारी। इस हादसे में बाईक सवार दोनों युवक सडक़ पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर-ट्राली लेकर मौके से फरार हो गया। बाद में लोगों ने घायल दोनों युवकों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां से दोनों को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद अग्रोहा रेफर कर दिया।

अपेक्स स्कूल में मनाया त्रिवेणी महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सतीश कॉलोनी स्थित अपेक्स ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा त्रिवेणी महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रयागराज के संगम की थीम पर आधारित महोत्सव में संस्कृति, परंपरा और सृजनात्मकता की अद्वितीय झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रबंधन समीति के सतीश चराईपोत्रा, चंद्र चराईयोत्रा, अमित मक्कड़, रीत मक्कड़, अंशुल चराईपोत्रा और स्पर्श चराइयोत्रा के साथ कॉन्वेंट स्कूल के प्राचार्य उमंग कक्कड़ तथा पब्लिक स्कूल के प्राचार्य विनोद कुमार अरोड़ा ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया।

फतेहाबाद। अपैक्स में आयोजित त्रिवेणी महोत्सव में भाग लेती छात्राएं।

इस आयोजन ने विद्यार्थियों की कलात्मक अभिव्यक्ति, बौद्धिक कौशल और पारंपरिक मूल्यों को नए आयाम दिए। विद्यार्थियों ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन आत्म विश्वास और उत्साह के साथ किया। त्रिवेणी महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सशक्त कदम था। इस दौरान बच्चों के साथ उनके अभिभावकों ने भी प्रतिभागिता करते हुए अपने बचपन को याद करने का काम किया। कार्यक्रम में देश की विभिन्न संस्कृतियों पर आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने अपनी कला का बखूबी प्रदर्शन किया। विज्ञान प्रदर्शनी के दौरान दर्शकों को आधुनिक विज्ञान की झलक मिली तथा शैक्षिक प्रदर्शनी के अंतर्गत विभिन्न विषयों से संबंधित मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए जिससे छात्रों की रचनात्मकता और शोध कौशल उजागर हुए। पारंपरिक प्रस्तुति में भारतीय विरासत और लोक कला को दर्शाया गया इसमें हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तनों आदि से जुड़े स्टाल लगाए गए। इसके अलावा खेल एवं मनोरंजन गतिविधियों ने बच्चों और अभिभावकों को भरपूर आनंद दिया।

चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम एक सुनहरा अवसर : सुमन बिश्नोई

फतेहाबाद। आज के दौर में शिक्षा क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरा है। यह कोर्स न केवल समय की बचत करता है बल्कि ग्रेजुएशन और बी.एड. को एक साथ पूरा करने का अवसर भी देता है। अगर आप 12वीं के बाद शिक्षक बनना चाहते हैं तो यह कोर्स आपके लिए सबसे उपयुक्त हो सकता है। यह बात एमएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन की सहायक प्रोफेसर सुमन बिश्नोई ने कही। उन्होंने कोर्स की विशेषताएं बताते हुए कहा कि यह कोर्स स्नातक और शिक्षण प्रशिक्षण का संयुक्त पाठ्यक्रम है, जिसमें छात्र शिक्षा के सिद्धांतों का गहन अध्ययन करते हैं। यह कोर्स छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण विधियों, कक्षा प्रबंधन और शैक्षिक मनोविज्ञान में प्रशिक्षित करता है, जिससे वे एक कुशल शिक्षक बन सकें। उन्होंने बताया कि पारंपरिक रूप से बी.ए. और फिर बी.एड. करने में कुल 5 साल लगते हैं, जबकि यह कोर्स केवल 4 साल में पूरा हो जाता है। सामान्य बी.ए. करने के बाद छात्र बी.एड. में प्रवेश करता है लेकिन इस कोर्स में सीधे 12वीं के बाद प्रवेश लेकर शिक्षक बनने की तैयारी शुरू की जा सकती है। बी.ए.-बी.एड. पूरा करने के बाद छात्र सीटीईटी, एचटीईटी जैसी शिक्षक पात्रता परीक्षाओं में शामिल हो सकते हैं।

जेईई मेंस की परीक्षा में पॉयनियर स्कूल के विद्यार्थी छाए

■ शानदार प्रदर्शन करने पर किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जेईई मेंस परीक्षा 2025 के परिणाम में पॉयनियर कन्वेंट स्कूल फतेहाबाद के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 2 साल की लगातार क्लास रूम कोचिंग के फलस्वरुप पांच बच्चों ने 95 परसेंटाइल, 13 बच्चों ने 90 परसेंटाइल व 32 बच्चों ने 80 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त कर फतेहाबाद में इतिहास रच दिया। सहज अनेजा 99.58, देव वधवा 99.32, समर्थ मेहता 98.67, अर्श सचदेवा 98.15, गैरी सिंधु 96.24, प्रांजल ग्रोवर 94.30, छवि 93.48, सुशांत 92.54, समीर 90.41, मिलन 95.59 (मैथ्स), जोया 93.79 (फिजिक्स), योग्य 92.8 (मैथ्स), गजल 91.48 (केमिस्ट्री) परसेंटाइल के साथ धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए धूम मचा दी। इसी उपलक्ष्य में सभी बच्चों को सम्मानित करने के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी फतेहाबाद संगीता बिश्नोई ने की। इन विद्यार्थियों को डीईओ ने स्मृति चिन्ह व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी आमंत्रित कर उन्हें भी सम्मानित किया गया, क्योंकि बच्चों की सफलता में अभिभावकों का भी विशेष योगदान होता है। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि पॉयनियर स्कूल की मैनेजमेंट, स्टाफ वे सभी बच्चे व उनके अभिभावक बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इतना शानदार परीक्षा परिणाम देते हुए स्कूल के साथ पूरे जिले का नाम रोशन किया। प्रिंसिपल गीतिका मेहता ने आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी बच्चों में उनके अभिभावकों को इस शानदार सफलता के लिए बधाई दी।

फतेहाबाद। पॉयनियर स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते डीईओ व स्कूल प्रबंधक।

सेशन जज की अध्यक्षता में मध्यस्थता प्रक्रिया के पहलुओं पर बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शनिवार को जिला एडीआर सेंटर के मीटिंग हॉल में जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल की अध्यक्षता में रेफरल मेडिऐसन केसों को लेकर मध्यस्थों के साथ मध्यस्थता प्रक्रिया पर बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता एक स्वैच्छिक, बाध्यकारी प्रक्रिया है जिसमें एक निष्पक्ष और तटस्थ मध्यस्थ विवादित पक्षों को समझौते तक पहुंचने में मदद करता है। मध्यस्थ द्वारा समाधान थोपा नहीं जाता बल्कि ऐसे अनुकूल माहौल का निर्माण किया जाता है जिसमें विवाद में शामिल पक्ष अपने सभी विवादों को सुलझा सकते हैं। बैठक में मध्यस्थता के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया, साथ ही मध्यस्थता के लिए रेफरल मामलों के प्रक्रियात्मक पहलुओं पर भी चर्चा की गई, जिसमें न्याय प्रणाली में मध्यस्थ की प्रासंगिकता, मध्यस्थता के चरण और लाभ, पक्षों को प्रेरित करना और तैयार करने को लेकर महत्वपूर्ण तथ्यों पर प्रकाश डाला गया।

फतेहाबाद। बैठक को संबोधित करते जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा 26 से

चोपटा। श्री गोपाल गौवंश गौशाला अरनियांवाली में संगीतमय श्रीमद्भागवत व गौकथा का आयोजन आगामी 26 फरवरी से 7 मार्च तक किया जाएगा। गौशाला के प्रवक्ता बृजलाल सुथार ने बताया कि आगामी 25 फरवरी को सुबह गांव में कलश यात्रा निकाली जाएगी। आगामी 26 फरवरी से कथा का प्रारंभ होगा। कथा का समय सुबह 11.15 बजे से 3.15 बजे तक रहेगा। कथा का वाचन महादेव भोलेनाथ मुक्ति धाम, बनारस की साध्वी निष्ठा करेंगी। वहीं गौकथा का वाचन भगत कबीर राजस्थानी करेंगे, जोकि 4 मार्च से 6 मार्च 2025 तक होगी।

गौकथा का समय सुबह 11.15 बजे से 3.15 बजे तक आगामी 6 मार्च को सुबह सव गौशाला प्रांगण में हवन यज्ञ व भंडारा लगाया जाएगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि समाजसेवी राजेंद्र ड्ढूषसह गावडिय़ा, विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी ललित जैन व गुगनराम खोथ शिरकत करेंगे। उन्होंने सभी गौभक्तों का आह्वान किया कि वे कथा श्रवण के लिए पहुंचे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

भूथनकलां में मकान के ताले टूटे, सोने-चांदी के गहने व नकदी चोरी

फतेहाबाद। गांव भूथनकलां में चोरों ने एक मकान के ताले तोडक़र वहां से सोने-चांदी के गहने व नकदी चोरी कर ली। इस बारे सूचना मिलते ही सदर फतेहाबाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और जांच की। पुलिस को दी शिकायत में गांव भूथनकलां निवासी ईश्वर ने कहा है कि गत दिवस वह अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में भाग लेने रिश्तेदारी में गया हुआ था। अब जब वह वापस घर लौटा तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था और घर में सामान बिखरा पड़ा था। जब उसने अंदर जाकर सामान को चैक किया तो पाया कि अज्ञात चोर उसके मकान के ताले तोडक़र वहां से सोने व चांदी के गहनों के अलावा 4700 रुपये की नकदी चोरी कर ले गए हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

धर्म- कर्म शहरवासियों को डोर टू डोर जाकर कार्यक्रम का दिया जा रहा न्योता

श्री श्याम मंदिर शिलान्यास समारोह 21 को, 20 को निकलेगी निशान यात्रा

समारोह में भजन गायिका पलविंद्र पलक सहित अन्य देंगे प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

श्री खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट रतिया द्वारा 21 फरवरी को श्री श्याम मंदिर शिलान्यास समारोह आयोजित किया जाएगा। शिलान्यास समारोह को लेकर 20 फरवरी को दोपहर 12.15 बजे श्री कृष्ण गौशाला प्रांगण से भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी जो शहर के विभिन्न बाजारों से होते हुए श्री कृष्ण गौशाला एक्सचेंज रोड समीप स्थित नवनिर्मित श्री श्याम मंदिर पावन स्थल पहुंचकर संपन्न होगी। ट्रस्ट के संरक्षक विजय बांसल, प्रधान राज कुमार सिंगला, सचिव मिट्ठू सिंगला, विनोद बांसल, सोनू मंगला व अन्य ट्रस्ट सदस्यों ने बताया कि शिलान्यास समारोह के अवसर पर 21 फरवरी को सुबह 9.15 बजे भूमि पूजन व रात्रि 8:15 बजे भव्य जागरण आयोजित किया जाएगा। समारोह को लेकर ट्रस्ट सदस्यों द्वारा अनाज मंडी, पुराना बाजार, मेन बाजार सहित विभिन्न कॉलोनियों में डोर टू डोर पहुंचकर शहर वासियों को समारोह में भाग लेने का नियंत्रण दिया जा रहा है। समारोह में फतेहाबाद से भजन गायिका पलविंद्र पलक, सोनीपत से मयंक अग्रवाल एवं अन्य सहयोगी कलाकार भक्ति से ओत-प्रोत समधुर भजनों के माध्यम से श्री खाटू श्याम जी की महिमा का गुणगान करेंगे। समारोह में प्रमुख समाजसेवी प्रवीण गर्ग बतौर मुख्य अतिथि एवं रतिया सेवा समिति धर्मशाला सालासर के प्रधान हरिकेश मंगला, अग्रवाल सभा के प्रधान प्रमोद बांसल, पंजाबी सभा के प्रधान सतीश हांडा, अशोका पेट्रोलियम के संचालक विपिन बांसल व गर्ग पट्रोलियम के संचालक वरुण गर्ग बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। मंच संचालक की भूमिका मिठन सिंगला अदा करेंगे। इस समारोह में श्री लखदातार श्याम परिवार सोसाइटी, श्री श्याम युवा मित्र मंडल, श्री बांके बिहारी महिला मंडल सहित अनेक धर्मिक, सामाजिक व महिला मंडलों का विशेष सहयोग रहेगा।

रतिया। शिलान्यास समारोह को लेकर शहरवासियों को निमंत्रण देते ट्रस्ट सदस्य।

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

{ कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम }

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

{ सजेशन
रजनी अरोड़ा }

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइमः जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यानः डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देनाः संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावाः जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारीः एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

{ गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

{ कहानी
शुभदा मिश्र }

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिकाः निकट-40 (कहानी विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

हर साल की तरह इस साल भी ताज नगरी आगरा में होने वाले भव्य ताज महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 18 फरवरी से 2 मार्च तक चलने वाला यह सांस्कृतिक महोत्सव, इस आयोजन का 34वां संस्करण होगा। इस भव्य आयोजन की महत्ता और इस बार की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति की छटा बिखेरता भव्य ताज महोत्सव

ताज महोत्सव न केवल आगरा या उत्तर प्रदेश बल्कि समूची भारतीय संस्कृति की विविधता को संजोता है और विश्व पटल के सामने इसे प्रस्तुत करता है। इसलिए यह भले ताज महोत्सव के नाम से जाना जाता हो, लेकिन यह वास्तव में समूची भारतीय संस्कृति का विराट महोत्सव होता है। इसमें देश भर के लोक कलाकार और संगीत मर्मज्ञों के साथ हर तरह के कला रसिक आते हैं। इस कारण ताज महोत्सव हाल के दशकों में देश की संस्कृति को सहेजने, संवारने और दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक ताज महोत्सव के दौरान यहां पर्यटन के लिए आना पसंद करते हैं। इस साल आयोजित होने वाले ताज महोत्सव की थीम है-धरोहर। जैसा कि थीम से जाहिर है, ताज महोत्सव में इस बार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

दशकों से हो रहा आयोजन

गौरतलब है कि ताज महोत्सव की शुरुआत 1992 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा की गई थी और इसका उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति की विश्व स्तर पर छटा बिखेरने के साथ-साथ ताजमहल देखने आने के लिए देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना था। इतने वर्षों के बाद कहा जा सकता है कि यह महोत्सव आयोजन के अपने उद्देश्यों में सफल साबित हुआ है।

उत्कृष्ट हस्तशिल्प की प्रदर्शनी

ताज महोत्सव देश का विरल सांस्कृतिक महोत्सव है। इसकी कुछ विशिष्ट खासियतें हैं। आगरा में निर्मित कला और शिल्प ग्राम में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी उनमें से एक है। यहां भारत के कोने-कोने से शिल्पकार अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन करने आते हैं। सहारनपुर की लकड़ी के खिलौने और विभिन्न तरह की नक्काशी की हुई वस्तुएं, खुर्जा के मिट्टी के बर्तन, लखनऊ की चिकनकारी और वाराणसी की रेशम की साड़ियां करीब-करीब हर बार इस महोत्सव के मुख्य आकर्षण की वस्तुएं होती हैं।

जुटते हैं लोक कलाकार-संगीतज्ञ

ताज महोत्सव में देश भर के लोक कलाकार और शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। इससे महोत्सव की शोभा और भी बढ़ती है। इसे देखने का आनंद लेने के लिए देश-दुनिया से बड़ी संख्या में कला और संगीत के कद्रदान यहां आते हैं। ताज महोत्सव वास्तव में भारत की विविध संस्कृतियों का अद्भुत संगम है।

पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद

कला और संगीत के साथ-साथ ताज महोत्सव, अपने लजीज व्यंजनों के प्रदर्शन के लिए भी जाना जाता है। इस महोत्सव में करीब-करीब सभी राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां महोत्सव में आए आगंतुक तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेकर आनंदित होते हैं।

इस बार होगा काफी कुछ नया

इस बार का ताज महोत्सव कई नए कार्यक्रमों के साथ होगा, जो इसे पिछले वर्षों के मुकाबले और अधिक रोमांचक और दर्शनीय बनाएंगे। इस महोत्सव में पहली बार इस साल बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। हॉट एयर बैलून शो भी इस महोत्सव का हिस्सा होगा। इसके अलावा ड्रोन शो, विंटेज कार रैली और पतंग महोत्सव का आयोजन भी इस बार इस महोत्सव में चार चांद लगाएंगे। पिछले कई सालों से इस महोत्सव में एक साहित्य कोना की भी जरूरत महसूस की जा रही थी। इस साल इस महोत्सव में साहित्य प्रेमियों के लिए भी विशेष कार्यक्रम होंगे। इस महोत्सव का एक बड़ा आकर्षण बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी होंगे, जो ओपेन स्पेस मंच पर अपनी सुरीली प्रस्तुति देंगे। सदर बाजार ओपेन स्पेस मंच, यमुना व्यू प्वाइंट, ताज व्यू गार्डन और आई लव सेल्फी प्वाइंट जैसे स्थानों पर भी इस बार महोत्सव के विभिन्न आयोजन संपन्न होंगे। हाल के सालों को देखें तो इस साल का ताज महोत्सव पहले से कहीं ज्यादा भव्य और कहीं ज्यादा विराट आयोजन होगा।

बड़ी संख्या में आते हैं पर्यटक

हाल के सालों में ताज महोत्सव के दौरान यहां पूरे साल में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। सच बात तो यह है कि पर्यटकों की भारी आवक को देखते हुए ही इस जश्न को अब पूरे 10 दिन मनाते हैं। पहले यह 10 दिनों तक चलने वाला महोत्सव नहीं होता था। लेकिन इसकी मांग जिस तरह से देशी-विदेशी पर्यटकों के बीच बढ़ी है, उस कारण यह महोत्सव देश की समृद्ध संस्कृति का पर्याय तो बन ही गया है, आगरा शहर की अर्थव्यवस्था का बड़ा स्रोत भी बनकर उभरा है। माना जाता है कि ताज महोत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों से आगरा शहर की आय में भारी वृद्धि होती है। *

तैयार है आयोजन स्थल

हर साल इस महोत्सव के लिए कई महीनों पहले ही भाग लेने वाले कलाकारों का चयन कर लिया जाता है और वे महोत्सव शुरू होने के पहले ही आयोजन स्थल शिल्पग्राम में पहुंचने लगते हैं। इस बार के ताज महोत्सव का आयोजन शिल्पग्राम के साथ-साथ ताज खेमा, ग्यारह सीढ़ी पार्क और फतेहपुर सीकरी सहित कई जगहों पर आयोजित होगा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी के मुताबिक आयोजन की सारी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। महोत्सव के दौरान हर तरह की सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था का इंतजाम भी किया जा चुका है।

चाहे आप किसी भी सेक्टर/कंपनी में जॉब करते हों, प्रमोशन और इंक्रीमेंट के लिए हार्ड वर्क के साथ-साथ और भी कई बातें मायने रखती हैं। कौन-सी हैं वो बातें, आप जरूर जानना चाहेंगे।

हार्ड वर्क + स्मार्ट स्ट्रेटजी ईजिली मिलेगा प्रमोशन

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

अमित ने अपने कुलीग मुकुंद से जब निराश होकर कहा, 'यार, काम तो हम भी कम नहीं करते। बॉस के दिए हुए सारे प्रोजेक्ट्स टाइम पर पूरे कर देते हैं। फिर भी हम 3 साल से एक ही जगह अटके हुए हैं और यह जतिन हमेशा बाजी मार लेता है। 3 साल में उसे दो बार प्रमोशन मिल गया है। हमारी एक बार भी सैलरी नहीं बढ़ी, जबकि उसकी सैलरी दो बार बढ़ाई गई है।' इस पर मुकुंद ने कहा, 'यार तू समझता नहीं, जतिन काम करने के साथ-साथ उसका बखान भी खूब कर लेता है। यही उसका प्लस प्वाइंट है। जबकि तू चुपचाप काम करके निकल लेता है।'

मुकुंद की बात ध्यान देने वाली है। कॉर्पोरेट सेक्टर की जॉब में प्रमोशन, हार्ड वर्क के साथ-साथ खुद की अच्छी ब्रांडिंग और सही स्ट्रेटजी से मिलती है।

अपने वर्क को हाईलाइट करें: माना कि आप एक मेहनती एंप्लॉई हैं और मन लगाकर काम करते हैं। आप अपने बॉस द्वारा दिए गए कामों और जिम्मेदारियों को बखूबी अंजाम देते हैं। लेकिन इन सबके साथ सबसे जरूरी यह है कि आप जो कर रहे हैं, उसे आपका बॉस कैसे और कितना देख पा रहा है। बॉस को लगना चाहिए कि आप पूरी लगन और निष्ठा से ऑफिस का काम कर रहे हैं। आपको अपने काम का डॉक्यूमेंटेशन करना चाहिए और इसे शेयर भी करना चाहिए। टीम में हर किसी को लगना चाहिए कि आप कंपनी/संस्थान और अपने काम के प्रति समर्पित हैं।

खुद को विश्वसनीय बनाएं: प्रमोशन के लिए मेहनत के साथ लाइमलाइट में बने रहने और खुद को विश्वसनीय साबित करने की कला भी जरूरी है। जो लोग लगातार अपने एंप्लॉयर या बॉस की नजर में बने रहते हैं, उनके द्वारा जताई गई किसी भी चिंता या कंपनी की किसी भी समस्या में खुद आगे बढ़कर काम करने का साहस रखते हैं, उनके प्रमोशन की संभावना बहुत ज्यादा होती है। आपको अपने मैनेजर, एंप्लॉयर या प्रभावशाली अधिकारी के साथ बराबर टच में रहना चाहिए। उन्हें बताएं कि कैसे कंपनी से आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और कंपनी की तरक्की आपकी भी जिम्मेदारी बनती है। यकीन मानिए, इन बातों का जादुई असर होगा।

अपना फ्यूचर विजन शेयर करें: याद रखें किसी भी कंपनी का मालिक या मैनेजर हमेशा अपनी कंपनी को आने वाले समय के ट्रेंड, डिमांड और चुनौतियों के लिए अपडेटेड रखना चाहता है। आपको यह फ्यूचर फोकस्ड साइकोलॉजी समझनी होगी। अगर आप अपने टीम लीडर्स को यह जताने और बताने में कामयाब रहेंगे कि आप एक अपडेटेड एंप्लॉई हैं। लगातार फ्यूचर ट्रेंड, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग स्ट्रेटजी सीखते, समझते रहते हैं तो आप उनकी फेवरेट लिस्ट में रहेंगे। इसके लिए आपको इनकी जानकारी रखनी होगी और उनके साथ डिसकस और शेयर करते रहना होगा। इसका फायदा यह होगा कि वे भले ही आपकी सभी बातें न मानें लेकिन आपके प्रति उनके मन में भरोसा रहेगा और वह आपको प्रमोट करते रहेंगे।

स्पॉटलाइट में बने रहें: ह्यूमन साइकोलॉजी के स्पॉटलाइट इफेक्ट को समझें। इसके तहत आपको न सिर्फ अपनी टीम बल्कि पूरे ऑफिस के कुलीग्स के बीच एक ऐसे व्यक्ति की इमेज बनानी होगी, जो मिलनसार, विनम्र और मददगार स्वभाव का है। साथ ही खुद को एक स्मार्ट टेक सेवी, मेहनती और दूरदर्शी व्यक्ति, एक प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में प्रोजेक्ट करें। इससे कोई आपका समर्थन करे या ना करे लेकिन कोई विरोध नहीं करेगा। आप हमेशा लोगों की नजर में रहेंगे और स्पॉटलाइट में रहेंगे। यह स्ट्रेटजी आपके प्रमोशन में मददगार साबित होगी।

एक्सट्रोवर्ट होना जरूरी: जब आप इंट्रोवर्ट होते हैं, तो आपके बॉस के मन में आपको लेकर क्लेरिटी नहीं रहती है। आप चाहे जितने भी मेहनती क्यों न हों, उनकी नजर और उनके मन से आपका नाम हट जाता है। सुबह से शाम तक अपने ही केबिन में या अपनी चेयर पर न बैठे रहें। ऑफिस में आपको एक्टिव और विजिबल रहना चाहिए और दिन में एकाध बार बॉस या टीम मैनेजर से मिलना चाहिए। आपका स्मार्ट होना और दिखना दोनों जरूरी है। *

न्यू ट्रेंड
संध्या सिंह

आज घर के भीतर से लेकर बाहर हर कहीं बड़ी संख्या में टीनएजर्स और यंगस्टर्स हेडफोंस या ईयरबड्स लगाए देखे जा सकते हैं। इसका ट्रेंड बढ़ने की वजहों पर एक नजर।

यंगस्टर्स के स्टाइल स्टेटमेंट हेडफोंस और ईयरबड्स

हालांकि कोई बिल्कुल सटीक डाटा तो उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने युवा हेडफोंस और ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक शहरों में रहने वाला हर दूसरा यंगस्टर और गांव में रहने वाला हर चौथा युवा, हेडफोन या ईयरबड का इस्तेमाल कर रहा है। जहां तक इसके इस्तेमाल के वैश्विक आंकड़े की बात है तो एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 के अंत में करीब 1 अरब टीनएजर्स और यंगस्टर्स, ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे थे। दिल्ली, मुंबई, बैंग्लुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और चंड़ीगढ़ जैसे महानगरों में देखें तो लगता है, घर से बाहर जाने वाला हर युवा कान में ईयरबड्स या हेडफोंस लगाकर रखता है।

वजहें हैं कई: हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर विश्व स्तर पर हुए अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष यह है कि भारत या दुनिया के सभी हिस्सों में किशोरों और युवाओं के बीच इस कदर हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर बढ़ा लगाव, महज उनके संगीत प्रेम तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे कई तरह के दूसरे सामाजिक, तकनीकी और सांस्कृतिक कारण हैं। आइए, एक-एक करके इन्हें समझने की कोशिश करते हैं।

संगीत प्रेम: निःसंदेह आज की युवा पीढ़ी पिछली शताब्दी की कई पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा संगीत प्रेमी है। आज की युवा पीढ़ी संगीत को अपनी भावनाओं और व्यक्तित्व के साथ जोड़ती है। ये हेडफोंस और ईयरबड्स, उन्हें अपने पसंदीदा गानों को बिना किसी रुकावट और दूसरों को बिना डिस्टर्ब किए सुनने का अनुभव देते हैं, क्योंकि इनके जरिए युवा ऑन डिमांड म्यूजिक विभिन्न एप्स और म्यूजिक चैनलों के जरिए सुन सकते हैं।

फैशनेबल लुक: ईयरबड्स और हेडफोंस आज की तारीख में यंगस्टर्स के फैशन स्टेटमेंट का हिस्सा भी बन गए हैं। एप्पल एयरपोड्स, बोएट और जेबीएल जैसे ब्रांड्स ने ईयरबड्स और हेडफोंस को कहीं ज्यादा स्टाइलिश और ट्रेंडी बनाया है। इसके साथ महंगे ईयरबड्स या हेडफोंस का इस्तेमाल करना युवाओं के लिए एक स्टेटस सिंबल भी बन गया है।

वर्चुअल इंटरेक्शन: वायरलेस टेक्नोलॉजी ने कनेक्टिविटी को बेहद आसान और बिना किसी तरह की परेशानी वाला बना दिया है। ब्लू टूथ की सुविधा ने सचमुच इस दौर में लोगों को भीड़ में अकेला कर दिया है। यही नहीं शोरगुल भरे परिवेश में भी न्वॉयज कैंसिलेशन जैसे फीचर्स ने म्यूजिक को पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है। यही कारण है कि आज लोग चलते-फिरते अपने दूसरे कामों को बाधित किए बिना म्यूजिक का आनंद ले रहे हैं। साथ ही साथ तकनीकी सुविधाओं की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो वीडियो सामग्री की सुविधा बढ़ी है, उसके चलते भी ईयरबड्स की मांग बढ़ गई है।

पर्सनल स्पेस और प्राइवेसी: बहुत से युवा सार्वजनिक स्थानों पर असहज महसूस करते हैं, इसलिए वे ऐसी जगहों पर अपने पसंदीदा म्यूजिक के साथ रहना पसंद करते हैं और यह तभी संभव है, जब अच्छी क्वालिटी के ईयरबड्स और हेडफोंस की उन्हें सुविधा हो। जो यंगस्टर्स, कई तरह के गैजेट्स के प्रति लगाव रखती है, उनके लिए ईयरबड्स भी एक गैजेट ही है। इन्हीं वजहों से यंगस्टर्स में इनका क्रेज बढ़ता जा रहा है। *

होते हैं कई नेगेटिव इफेक्ट्स

भले हेडफोंस और ईयरबड्स का शौक यंगस्टर्स को बहुत भाता हो, लेकिन इसके बहुत सारे नुकसान भी हैं। लगातार हेडफोंस और ईयरबड्स का अगर हम 85 डेसिबल से अधिक ध्वनि के साथ इस्तेमाल करते हैं तो डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार यह कानों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। युवाओं के साथ समस्या यह है कि वो जरूरत से ज्यादा ऊंची आवाज में ही म्यूजिक सुनते हैं। इसलिए यह शौक उन्हें धीरे-धीरे बहरेपन या टिनिट्स समस्या की तरफ ले जा सकता है। इसका एक नुकसान यह भी है कि अकसर ईयरबड्स और हेडफोंस से लैस होने के कारण आजकल युवा, लोगों से बातचीत बहुत कम करते हैं, इस तरह उनका सोशल इंटरेक्शन बढ़ रहा है। कानों में लगातार ईयरबड्स पहनने से नमी बनी रहती है, जिस कारण यहां बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी हर समय बना रहता है। कानों में दर्द, जलन, माइग्रेन और सिरदर्द की भी समस्या बढ़ सकती है।

खास मुलाकात
पूजा सामंत

मां बनने के बाद यामी गौतम फिल्मों में फिर से एक्टिव हुई हैं। नेटफ्लिक्स पर उनकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में उनका रोल उनके नेचर से एकदम अपोजिट है, गाली-गलौज करने वाला। यामी के लिए यह रोल कितना चैलेंजिंग रहा? अब उनके पास कैसे रोल आ रहे हैं? खुली बातचीत यामी गौतम से।

अब मुझे स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर ऑफर हो रहे हैं : यामी गौतम

यामी गौतम सिर्फ खूबसूरत एक्ट्रेस ही नहीं हैं, वह एक सुलझी हुई और अच्छी एक्ट्रेस भी हैं। उन्होंने अपनी फिल्मों 'आर्टिकल 370', 'काबिल', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक', 'चोर निकल के भागा', 'विकी डोनर' और 'दसवीं' में यह सिद्ध भी किया है। निर्माता-निर्देशक आदित्य धर से विवाह के बाद एक बेटे की मां बनीं यामी एक बार फिर फिल्मों में एक्टिव हुई हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'धूम धाम' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में यामी ने 'नेवर बिफोर अवतार' में खुद को पेश किया है। पेश है यामी गौतम से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

इस शुक्रवार नेटफ्लिक्स पर आपकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हुई है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

इस फिल्म की कहानी बड़ी मजेदार है। इसे मेरे पति आदित्य धर ने लिखा है। इसे डायरेक्ट किया है ऋषभ सेठ ने। फिल्म में मेरे किरदार का नाम है कोयल चड्ढा, जिसकी शादी वीर पोद्दार (प्रतीक गांधी) से होती है। फिल्म में हमारी अरेंज्ड मैरिज होती है। हम एक-दूसरे के लिए बिल्कुल मिस-मैच्ड हैं। हमारी सोच, हमारी बोली, हमारे स्वभाव, हमारी आदतों में कोई समानता नहीं है। शादी के बाद ससुराल पहुंची कोयल और उसके पति वीर के बीच कैसी नोक-झोंक होती है, उनके कल्चरल डिफरेंसेस किस हद तक पहुंचते हैं, यह देखना दर्शकों के लिए काफी एंटरटेनिंग होगा।

फिल्म 'धूम धाम' में प्रतीक गांधी के साथ यामी गौतम

इस फिल्म में आपका किरदार जमकर गालियां देता है। पर्सनल लाइफ में गाली क्या, ऊंची आवाज में बात तक नहीं करतीं आप। ऐसे में कोयल चड्ढा जैसा अपोजिट किरदार निभाना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा?

'धूम धाम' में कोयल का किरदार है ही ऐसा। वह स्ट्रेट फॉरवर्ड है, आज के जमाने की है, जो अपनी बोलचाल, व्यवहार में कोई शालीनता या मर्यादा नहीं रखती। वह अपने मन की रानी है, बहुत ही साहसी भी है। वक्त पड़ने पर वो हाथा-पाई भी कर लेती है। वह अपनी डेली लाइफ में गाली-गलौज करती है। गालियां देना उसकी आदत में है। कोयल को गलियां देने में कोई संकोच नहीं है। फिल्म 'धूम धाम' के कैरेक्टर की डिमांड के अनुसार मुझे गाली देनी थी। कोयल और मेरी पर्सनालिटी में जमीन-आसमान का फर्क है, मैंने अपनी जिंदगी में कभी मामूली-सी भी गाली नहीं दी। मैं इसमें कंफर्टेबल नहीं फील कर रही थी। फिल्म में मेरे पति बने प्रतीक गांधी मुझे कंफर्टेबल कराने के लिए कहते थे कि वे मेरी गालियों को नहीं सुन रहे हैं, जिससे मैं कूल होकर डायलॉग्स बोल सकूं।

मां बनने के बाद आप पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ में क्या चेंज फील करती हैं?

मां बनने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मां बनने के बाद बायोलॉजिकल बदलाव लाजिमी हैं। इमोशनल स्तर पर भी एक स्त्री अधिक दयालु और सेंसिटिव हो जाती है। जहां तक प्रोफेशनल लाइफ की बात है, मां बनने के बाद एक एक्ट्रेस को अगर फैमिली से सपोर्ट मिले तो वह अपने बच्चे को वक्त देने के साथ-साथ अपने करियर पर भी फोकस कर सकती है। मां बनने के बाद मेरी जिंदगी में करियर के लिहाज से भी बहुत पॉजिटिव चेंज आए हैं। इन दिनों मेरे पास ऐसी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं, जो पहले कभी नहीं आए थे। मुझे अब पहले के मुकाबले स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर यानी मीनिंगफुल वूमेन ओरिएंटेड रोल मिल रहे हैं। मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ अब 360 डिग्री बदल चुकी है। मैं इसे सुखद बदलाव मानती हूं।

निर्माता-निर्देशक आदित्य धर के साथ आपने शादी से पहले भी फिल्म की है। अब वह आपके पति हैं, तो उनके साथ प्रोफेशनली कितना कुछ बदला है?

मैंने आदित्य के साथ 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' फिल्म में पहली बार काम किया। इस फिल्म के दौरान हम एक-दूसरे के प्रति कुछ स्पेशल फील करने लगे थे। आगे चलकर हमने शादी की फिर 'आर्टिकल 370' और अब 'धूम धाम' फिल्म साथ में की है। मैं हर अच्छी स्क्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहूंगी। फैमिली में आदित्य, उनके भाई लोकेश धर और अब मैं, फिल्म लाइन से जुड़े हैं। कई बार डायनिंग टेबल पर फिल्मों के टॉपिक्स निकलते हैं। लेकिन जब आदित्य मुझे फिल्म का रोल ऑफर करते हैं, तो वो प्रॉपर चैनल से मेरे पास आता है। मेरी मैनेजर मुझे उनकी स्क्रिप्ट सुनवाती है। कहानी, किरदार अच्छे लगें तो ही मैं उस ऑफर को एक्सेप्ट करती हूं। *

कैसे हैं पति-पिता के रोल में आदित्य धर

यामी गौतम से यह पूछने पर कि उनके पति आदित्य धर एक पति और पिता के रोल में कैसे इंसान हैं, वह बताती हैं,'आदित्य बहुत ही अच्छे पति और पिता हैं। आदित्य ग्रेट स्टोरीटेलर हैं। हमारे बेटे वेदाविद को आदित्य कहानियां सुनाते हैं। हालांकि अभी बेटा उनकी कहानियां समझ नहीं पाता है, लेकिन वो अपने पापा के हाव-भावों को निहारता है, उसे एंज्वॉय करता है। हर कहानी के साथ आदित्य बहुत प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते हैं। मैं भी अपना काम छोड़कर पिता-पुत्र दोनों को देखती रहती हूं। आदित्य और वेदाविद के बीच जो अद्भुत, प्यार भरा रिश्ता है, मैं भी उसे महसूस करती हूं।'